

बिहार में गंगा खतरे के निशान से 2 फीट ऊपर

● 13 जिलों में बाढ़ ● काशी में 407 परिवारों ने घर छोड़ा ● हिमाचल में 175 सड़कें बंद

पटना/नई दिल्ली,एजेंसी। बिहार के कई जिलों में बीते दो दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही है। पटना में गंगा खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है। प्रदेश के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं, जबकि 8 नदियों का जलस्तर बढ़ गया है।

उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। काशी में वरुणा नदी के किनारे रहने वाले 407 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। अब तक 2,910 लोग विस्थापित हो चुके हैं। राहत और बचाव कार्य के लिए प्रशासन ने 36 नावें लगाई हैं। बाढ़ के हालात को लेकर पीएम मोदी ने वाराणसी के डीएम और मेयर से बात की। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में बुधवार रात तेज बारिश के बाद लैटस्टाइड की वजह से 175 से ज्यादा सड़कें बंद हो गईं। कालका-शिमला फोरलेन पर भारी मलबा गिर



गया। इससे कई गाड़ियां रातभर फंसी रहीं।

बिहार में पलायन शुरू, फसलें डूबी: पानी गांवों तक पहुंचने से ग्रामीण सुरक्षित स्थानों की ओर जाने की तैयारी में जुट गए हैं। कई परिवारों ने पलायन भी शुरू कर दिया है। किसानों की सैकड़ों एकड़ मक्का और हरी सब्जियों की फसलें पानी में डूब गई हैं, जिससे

भारी नुकसान की आशंका है।

राहत शिविर और जरूरी सामान की व्यवस्था: जलस्तर बढ़ने और बड़े पैमाने पर पलायन की स्थिति में बलदेव स्कूल में राहत शिविर सह सामुदायिक किचन चलाने की तैयारी की गई है। लाइफ जैकेट, दवाएं और सांप-बिच्छू काटने जैसी आपात स्थितियों के लिए इमरजेंसी बोट तैनात करने की व्यवस्था भी हो रही

है। बाढ़ग्रस्त घोषित करने की मांग: दियारा क्षेत्र के पूर्व जिला पार्षद ओम प्रकाश यादव, पूर्व मुखिया दिनेश राय, भाजपा नेता रंजीत यादव सहित स्थानीय प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री, आपदा प्रबंधन मंत्री, डीएम और एसडीओ से क्षेत्र को बाढ़ग्रस्त घोषित करने, पर्याप्त नावें चलाने और तत्काल राहत सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की

काशी में 407 परिवारों ने छोड़ा घर... उत्तर प्रदेश में भी लगातार बारिश के कारण नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। वाराणसी यानी काशी में वरुणा नदी के किनारे रहने वाले 407 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। अब तक 2,910 लोग विस्थापित हो चुके हैं।

है। आने वाले घंटों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

राहत और बचाव अभियान के लिए प्रशासन ने 36 नावें लगाई हैं। वाराणसी में गंगा का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है और नदी चेतानवी स्तर पार कर चुकी है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों की रोजमर्रा की ज़िंदगी पर सीधा असर पड़ रहा है। कई निचले इलाकों में जलभराव के कारण पैदल और सड़क से आवाजाही मुश्किल हो सकती है, इसलिए प्रशासन विस्थापित परिवारों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने पर जोर दे रहा है।

स्वच्छ ऊर्जा भविष्य और भरोसेमंद सप्लाई चेन भारत-बेल्जियम की साझा प्राथमिकताएं : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत और बेल्जियम के संबंध परंपरागत क्षेत्र से आगे बढ़कर रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा जैसे आधुनिक रणनीतिक क्षेत्र तक पहुंच गए हैं। स्वच्छ ऊर्जा भविष्य और भरोसेमंद सप्लाई चेन दोनों देशों की साझा प्राथमिकताएं हैं। अगले पांच वर्षों में हम द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने जा रहे हैं। दोनों देशों के बीच सैन्य और प्रशिक्षण सहयोग को मजबूत करने पर सहमति बनी है। हम अपनी एजेंसियों के बीच खुफिया जानकारी भी साझा करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी

वेवर के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त प्रेस वक्तव्य दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देश जोरावर टैक जैसे आधुनिक रक्षा उपकरणों पर साथ काम कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश के काकिनाड़ा में हम दुनिया के सबसे बड़े ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट्स में से एक डेवलप कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में आज दोनों देशों के बीच समझौता हुआ है। दुर्लभ खनिजों के प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण में सहयोग बढ़ाने का हमने निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर में बेल्जियम की विशेषज्ञता और भारत के स्तर एक दूसरे के पूरक हैं।



: वीपी बॉक्स : सीएम विजय का एआई वीडियो बनाकर ठगी की कोशिश



चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के डीपफेक वीडियो से लोगों को ठगने की कोशिश का मामला सामने आया है। तमिलनाडु पुलिस की CB-CID ने 1 सितंबर को केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वीडियो में विजय जैसे दिखने वाला शख्स हिंदी में लोगों से बात करते हुए आर्थिक मदद के लिए एक वॉट्सएप नंबर पर संपर्क करने को कह रहा था।

इस फर्जी वीडियो को फेसबुक समेत कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फैलाकर लोगों को ठगने की कोशिश की गई। जांच में कुछ फर्जी वीडियो और सोशल मीडिया अकाउंट्स के पाकिस्तान से संचालित होने की आशंका सामने आई है। जांच में एक नहीं, कई डीपफेक वीडियो मिले: CB-CID की शुरुआती जांच में विजय के नाम पर आर्थिक मदद का दावा करने वाले कई एआई डीपफेक वीडियो मिले हैं। ये अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किए जा रहे थे। जांच के लिए CB-CID ने फेसबुक की पेटेंट कंपनी Meta से संपर्क किया है। पुलिस ने फर्जी अकाउंट्स और वीडियो अपलोड से जुड़े लोग की जानकारी मांगी है।

सिंधु जल संधि पर भारत का रुख सख्त, पाक की अंतर्राष्ट्रीय कोशिशें बेअसर



नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि को लेकर जारी विवाद अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी मुखर हो रहा है। इस संवेदनशील मुद्दे पर भारत ने अपना कड़ा रुख बरकरार रखा है। हाल ही में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के मंच पर इस विषय को उठाकर अंतरराष्ट्रीय समर्थन हासिल करने का प्रयास किया, हालांकि उनकी यह कोशिश कोई खास कामयाब नहीं हुई।

अपने संबोधन में पीएम शहबाज शरीफ ने पानी को क्षेत्र की जीवरेखा बताया और इस बात पर जोर दिया कि पानी को राजनीतिक हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और साझा जल संसाधनों को लेकर देशों के बीच सहयोग होना चाहिए। शरीफ ने अंतरराष्ट्रीय समझौतों का सम्मान करने की अपील करते हुए कहा कि समझौतों को उनकी भावना और शब्दों के मुताबिक लागू किया जाना चाहिए।

गडकरी बोले- सभी राज्य बाइक टैक्सी को मंजूरी दें

● 8 करोड़ रोजगार मिलेंगे ● ट्रैफिक नियम तोड़ने पर ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड-कैसिल होगा

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सभी राज्य सरकारों से बाइक टैक्सी को मंजूरी देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि निजी बाइक और स्कूटर से यात्रियों को ले जाने की सुविधा से खासकर ग्रामीण इलाकों में रोजगार के बड़े अवसर मिलेंगे। इससे करीब 8 करोड़ लोगों को रोजगार मिल सकता है।

गडकरी ने बताया कि केंद्र ने बाइक टैक्सी की अनुमति दे दी है, लेकिन परिवहन राज्य का विषय होने के कारण कुछ राज्यों में अभी इसकी मंजूरी नहीं है। उन्होंने राज्यों से इसे मंजूरी देने

भारी वाहन चालकों की ट्रेनिंग जरूरी... गडकरी ने भारी वाहन और निर्माण उपकरण चलाने वाले ड्राइवरों की अनिवार्य ट्रेनिंग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अभी ऐसी कोई जरूरी व्यवस्था नहीं है। उन्होंने JCB India जैसी कंपनियों से उपकरण देने से पहले ड्राइवरों को ट्रेनिंग देने की अपील की।



की अपील की, ताकि लोगों को कमाई का नया जरिया मिल सके। गडकरी ने कहा कि सरकार बार-बार ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों पर सख्ती करेगी। इसके लिए मोटर व्हीकल एक्ट में बदलाव कर ड्राइवरों के

कामों से जुड़े करीब 10 लाख ड्राइवरों और कर्मचारियों को मुफ्त मेडिकल जांच व काउंसिलिंग होगी। पहले चरण में नागपुर-कामठी के NH-44 और चंद्रपुर के माइनिंग क्षेत्र में करीब 10 हजार लोगों की जांच का लक्ष्य है।

दोपहिया हादसों में सबसे ज्यादा मौतें: गडकरी के मुताबिक, भारत में दोपहिया हादसों में 81,780 मौतें हुई हैं, जो दुनिया में सबसे ज्यादा हैं। सीट बेल्ट न लगाना, हिट एंड रन, गलत दिशा में ड्राइविंग, शराब और मोबाइल का इस्तेमाल हादसों की बड़ी वजह हैं।

उड़ान के बीच दोहा-बेंगलुरु फ्लाइट पायलट की तबीयत बिगड़ी

» मस्कट में इमरजेंसी लैंडिंग

बेंगलुरु,एजेंसी। कतर के दोहा से बेंगलुरु आ रही इंडिगो की एक फ्लाइट के पायलट की गुरुवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद फ्लाइट मस्कट डायवर्ट करना पड़ा। मेडिकल इमरजेंसी के बीच प्लेन की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। मेडिकल टीम ने पायलट की जांच की। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। एयरलाइन के मुताबिक, अब पायलट की हालत ठीक है। इंडिगो ने बताया कि बेंगलुरु से एक विमान



मस्कट भेजा जा रहा है, जो यात्रियों को लेकर बेंगलुरु पहुंचेगा।

इंडिगो ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया। एयरलाइन ने कहा कि यात्रियों, ब्रू और विमान की सुरक्षा उसकी

मस्कट में यात्रियों को दी जा रही सुविधाएं...

एयरलाइन ने कहा कि मस्कट में विमान का इंतजार कर रहे यात्रियों को हवाईखाना और पीने की चीजें दी जा रही हैं और उन्हें लगातार अपडेट किया जा रहा है। जिस विमान से यात्री बेंगलुरु वापस आएंगे उसके लिए नए क्रू की व्यवस्था भी की गई है।

सर्वोच्च प्राथमिकता है और यात्रियों की यात्रा जल्द से जल्द पूरी कराने के लिए जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं।

पाकिस्तानी जेट गिराने वाले अभिनंदन ने एयरफोर्स छोड़ी बालाकोट स्ट्राइक के दौरान 60 घंटे पाकिस्तान की कैद में रहे; अब उड़ाएंगे यात्री विमान

नई दिल्ली,एजेंसी। बालाकोट एयरस्ट्राइक के दौरान 60 घंटे पाकिस्तान की कैद में रहे पूर्व ग्रुप कैप्टन अभिनंदन वर्तमान ने एयरफोर्स से रिटायरमेंट ले लिया है। उन्होंने गोवा की प्राइवेट एयरलाइन फ्लाई-91 जॉइन कर ली है। उनका सामान्य रिटायरमेंट 2037 में होना था, जब वे 54 वर्ष के होते। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, उन्होंने 31 मार्च 2026 को वायुसेना छोड़ी और अगस्त में प्राइवेट एयरलाइन जॉइन की। करीब दो दशक की सर्विस के बाद अब वे कॉमर्शियल यात्री विमान के पायलट होंगे।



अभिनंदन वायुसेना में MiG-21 फाइटर उड़ाते थे। 27 फरवरी 2019 को पाकिस्तानी के स-16 लड़ाकू विमान को मार गिराने के दौरान उनका विमान मिसाइल की चपेट में आ गया था। जेट से इजेक्ट होकर वे पाकिस्तान

एयरफोर्स से करीब एक लाख पेंशन मिलेगी... ग्रुप कैप्टन अभिनंदन ने वायुसेना में 20 साल की सर्विस की है। पूर्व सैनिक कल्याण विभाग के मुताबिक, ग्रुप कैप्टन का मूल वेतन 1.40-2.18 लाख और एमएसपी 15,500 होता है। भत्तों को मिलाएँ तो यह ज्यादा भी हो सकता है। इस हिसाब से उन्हें करीब 88-98 हजार महीना पेंशन मिल सकती है।

के कब्जे वाले कश्मीर में उतरे थे। पीओके में पाकिस्तानी फौज ने उन्हें पकड़ लिया था।

योगी बोले : हर संभव मदद पहुंचाएगी सरकार

1000 बाढ़ पीड़ितों को राहत किट; बेघर 31 लोगों को पट्टा

फर्रुखाबाद,एजेंसी। गंगा नदी की बाढ़ से उत्पन्न गंभीर हालातों का जायजा लेने और पीड़ितों को ढाँढस बंधाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज फर्रुखाबाद पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हेलीकॉप्टर से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया और इसके बाद पुलिस लाइन मैदान आयोजित विशाल जनसभा के माध्यम से राहत सामग्रियों का वितरण किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ पीड़ितों का दर्द और जमीनी हकीकत खुद देखने के लिए आसमान से इलाकों का मुआयना किया। इसके बाद पुलिस



लाइन मैदान में उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस आपदा के समय में डबल इंजन की सरकार पूरी मजबूती से जनता-जनार्दन के साथ खड़ी है। राहत और बचाव कार्यों को और तेज करने के साथ ही इनकी लगातार समीक्षा की जा रही है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बाढ़ से

गंगा की बाढ़ से बेखाल हैं 70 गांव... प्रशासनिक आँकड़ों के अनुसार, जनपद में गंगा की बाढ़ से लगभग 70 गांव प्रभावित हैं। इन गांवों के 19,295 परिवारों के 78,671 लोग पानी से घिरे हुए हैं। बाढ़ के कारण करीब 7,200 हेक्टेयर फसलें तबाह हो चुकी हैं और 127 ग्रामीण पूरी तरह बेघर हो चुके हैं। सरकार और प्रशासन द्वारा इससे पहले भी 96 ग्रामीणों को आवास के लिए 1.20 लाख रुपये और 67 लोगों को आवासीय पट्टा दिया

प्रभावित 1,000 परिवारों को 26 प्रकार की आवश्यक सामग्रियों से युक्त राहत किट वितरित की।

पिछली बार झील फटी थी, इस बार ग्लेशियर ही टूट गया

नई दिल्ली,एजेंसी। 26 अगस्त को चीन-नेपाल सीमा पर हिमालय की एक घाटी में ऐसी तबाही आई, जिसमें 1200 से ज्यादा लोगों की जान चली गई। हैरानी की बात ये थी कि चीन इस इलाके में ऐसी आपदा से निपटने की तैयारी पहले ही कर चुका था।

14 महीने पहले इसी इलाके में ग्लेशियर की एक झील फटने से भूस्खलन हुआ था। ट्रक, घर और एक पुल बह गए थे। इसके बाद चीन ने करीब छह महीने तक बॉर्डर पोर्ट बंद रखा और बाढ़ से बचाव का सिस्टम मजबूत किया।



पानी के स्तर पर 24 घंटे नजर रखने लगी, तटबंध और बाढ़ रोधी दीवारें बनाई गईं और पानी का रस्ता बदलने के लिए नहरें तैयार की गईं। अधिकारियों और ग्रामीणों की ट्रेनिंग हुई, मॉक ड्रिल कराई गईं और जुलाई में तैयारियों की समीक्षा भी हुई।

यानी पिछली आपदा से सबक लेने में कोई कमी नहीं छोड़ी गई थी। फिर भी 26 अगस्त को कुछ ऐसा हुआ, जिसके लिए ये पूरा सिस्टम तैयार ही नहीं था। इस बार झील नहीं, ग्लेशियर

टूटा: इस बार बाढ़ किसी ग्लेशियल झील के फटने से नहीं आई। एक ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा अचानक टूटकर नीचे आ गया। इसके साथ बर्फ, बड़े पत्थर और पानी इतनी तेजी से नीचे आए कि कुछ ही देर में ये सब सुनामी जैसी लहर में बदल गया। ग्यिरोंग पोर्ट कॉम्प्लेक्स में पहुंचते ही इस लहर ने 27 इमारतों को तबाह कर दिया। इसके बाद ये तबाही नेपाल की ओर बढ़ गई। अधिकारियों के मुताबिक, ग्लेशियर का हिस्सा टूटने और ग्यिरोंग पोर्ट तक पहुंचने के बीच सिर्फ छह-सात मिनट का समय था।

नेपाल बाढ़ में 1252 की मौत, 4216 लोग लापता

» 4 घंटे मलबे में दबी रहीं 97 साल की महिला

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल में 26 अगस्त को आई भीषण प्लेनैश फ्लड में 97 साल की गुना माया बोहरा करीब 4 घंटे तक मलबे में दबी रहीं। नुवाकोट के देविघाट में नदी किनारे बने बुजुर्ग देखभाल केंद्र की ग्राउंड फ्लोर पर वह अपने कमरे में थीं।

बाढ़ का पानी ग्राउंड फ्लोर तक पहुंचा और गुना माया को बहाकर एक किनारे तक ले गया, जहां पानी का बहाव कम था। उनके रिश्तेदार भी JCB लेकर मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू



में सेना और पुलिस की मदद की। गुना माया को काठमांडू के बीर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेस्क्यू के बाद वह बहुत कम बोलती हैं और बार-बार एक ही सवाल पूछती हैं- 'पानी ने मुझे क्यों मारा?' नेपाल में इस बाढ़ से अब तक 1,252 लोगों की मौत हो चुकी है ,4216 लोग लापता।

संक्षिप्त समाचार

धार में बारिश में भीगी बच्चों की किताबें, धूप में सुखाने के लिए बिछाईं



इंदौर, एअेंसी। मध्य प्रदेश के धार में स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय सूरजपुरा की बदहाल स्थिति का एक वीडियो इन दिनों इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में विद्यालय के बच्चे वर्षा के कारण गीली हुई अपनी पाठ्य पुस्तकों को धूप दिखाकर सुखाते नजर आ रहे हैं। किताबों को सुखाने की यह तस्वीर विद्यालय भवन की स्थिति और बच्चों को मिल रही शैक्षणिक सुविधाओं पर सवाल खड़े कर रही है। वर्षा के दौरान विद्यालय भवन में पानी पहुंचने के कारण बच्चों की पाठ्य पुस्तकें भीग गईं। इसके बाद छात्र-छात्राओं को उन्हें सुखाने के लिए धूप में रखना पड़ा। पढ़ाई के लिए स्कूल पहुंचे बच्चों का यह दृश्य इंटरनेट मीडिया पर सामने आने के बाद लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। जिला मुख्यालय से कुछ ही दूरी पर स्थित विद्यालय में यदि बच्चों की किताबें सुरक्षित नहीं रह पा रही हैं तो ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के स्कूलों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। विद्यालय भवन के रखरखाव और वर्षा के पानी से बचाव की व्यवस्था पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। बच्चों को सुरक्षित भवन और पढ़ाई के अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी शिक्षा विभाग की है।

कर्नाटक से मालदा लाए गए 31 बांग्लादेशी घुसपैठिए, अब सीमा पार भेजने की तैयारी



मालदा, एअेंसी। कर्नाटक में विभिन्न थाना क्षेत्र से गिरफ्तार 31 बांग्लादेशी घुसपैठियों को बंगाल के मालदा लाया गया। मालदा टाउन स्टेशन पहुंचने के बाद सभी को कड़ी सुरक्षा के बीच यहां के होलिंटा सेंटर ले जाया गया है। नियमों के अनुसार बाद में उन्हें पुराबैक किया जाएगा। मालदा जिला पुलिस अधीक्षक अनुपम सिंह ने कहा कि आगे की कार्यवाई नियमों के मुताबिक की जाएगी। सूत्रों के अनुसार कर्नाटक पुलिस ने बेंगलुरु के दस थाना इलाके से इन लोगों को गिरफ्तार किया। अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के आरोप में इनको पकड़ा गया है। इनमें कई महिलाएं भी शामिल हैं। कर्नाटक पुलिस की 20 सदस्यों की एक विशेष सुरक्षा टीम एसएमवीटी बेंगलुरु टर्मिनल से ट्रेन द्वारा इन बांग्लादेशी नागरिकों को लेकर मालदा पहुंची।

जेपीएनआईसी की बदहाली देख भड़के अखिलेश

बोले- भाजपा को न इतिहास की पीढ़ियां माफ करेंगी न भविष्य की



लखनऊ, एअेंसी। पूर्व सीएम और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के झीम प्रोजेक्ट जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर को 9 साल बाद बुधवार को खोला गया। इसकी बदहाली की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। सपा प्रमुख ने जेपीएनआईसी की बदहाली पर भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा करते हुए भाजपा की नीतियां और उनकी सोच पर कड़े सवाल उठाए हैं। अखिलेश यादव ने निशाना साधते हुए कहा कि भाजपाइयों की ठहरी हुई सोच पर सिर्फ काई जमती है या जंग लगती है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक तरफ आजादी के आंदोलन में शहीदों के खिलाफ उपनिवेशवादियों की मुखबरी करने वालों का इतिहास हमेशा स्वतंत्रता सेनानियों का विरोधी रहा है, तो दूसरी तरफ भाजपाइयों का पुरातनपंथी और तंग नजरिया आज आधुनिकता व प्रगति का विरोध कर रहा है। सपा प्रमुख ने आगे लिखा कि भाजपा और उनके संगी-साथियों को न तो इतिहास की पीढ़ियां माफ करेंगी और न ही भविष्य की पीढ़ियां, जबकि वर्तमान पीढ़ी के वे पहले से ही गुनाहगार हैं। अपने पोस्ट के अंत में उन्होंने 'भाजपा खत्म' लिखकर सत्तारूढ़ दल के प्रति अपना कड़ा राजनीतिक विरोध दर्ज कराया। बता दें कि हाल ही में सीएम योगी ने जेपीएनआईसी को प्राइवेट कंपनियों को लीज पर देने का आदेश दिया था।

फर्जी दस्तावेज पर लोन लेकर एनबीएफसी को लगाया 1 करोड़ से ज्यादा का चूना, 5 के खिलाफ केस दर्ज

नई दिल्ली, एअेंसी। राजधानी दिल्ली में फर्जी दस्तावेज के जरिये लोन लेकर एनबीएफसी को एक करोड़ से अधिक का चूना लगाने का मामला सामने आया है। मंदिर मार्ग थाना पुलिस ने दिल्ली विकास प्राधिकरण के फर्जी कन्वेयंस डीड के आधार पर एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी 'एक्सिस फाइनेंस लिमिटेड' से 1.06 करोड़ रुपये की उगी करने के आरोप में 5 लोगों के खिलाफ दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की है। पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायतों के अनुसार, जालसाजों ने द्वारका के सेक्टर-14 स्थित शहीद भगत सिंह अपार्टमेंट के दो फ्लैटों को गिरवी रखकर इस उगी को अंजाम दिया। पहले मामले में हिमांशु शर्मा, उसके पिता संजय शर्मा और जितन नामक आरोपियों ने द्वारका सेक्टर-14 के एक फ्लैट के लिए 48.76 लाख रुपये का लोन स्वीकृत कराया।



इन्होंने 2015 की पंजीकृत डीडीए कन्वेयंस डीड और प्रापर्टी के दस्तावेज जमा कराए। प्रापर्टी का मूल्यांकन 65 लाख रुपये लगाकर एनबीएफसी ने विक्रेता को 34.30 लाख रुपये लोन जारी कर दिए। वहीं, दूसरे मामले

में इसी अपार्टमेंट के एक अन्य फ्लैट पर संजय शुक्ला और उसकी मां शशिकला शुक्ला ने 2013 की कन्वेयंस डीड के आधार पर 57.60 लाख रुपये का लोन मंजूर कराया।

हिमाचल में अभी राहत नहीं देगा मौसम, 3 जिलों के लिए भारी बारिश का अलर्ट



चेलंग की पहाड़ी से दरका मलबा

मंडी की चौहार घाटी में चेलंग की पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और पत्थर गिरने से सहमे ग्रामीणों ने पूरी रात खीफ के साये में गुजारी। लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों और रश्तेदारों के घरों में शरण लेनी पड़ी। पहाड़ी में बड़ी दरारें आ गई हैं।

कारोबारी की नाले में गिरने से मौत

चौहार घाटी की सिल्हबुघाणी पंचायत के ग्रामण गांव के अखरोट कारोबारी 55 वर्षीय सबला राम पुत्र टेक राम की पैर फिसलकर से स्वाड़ नाला में गिरने से मौत हो गई। वह अखरोट खरीदने मंगलवार को कथोगा गए और लौटने के दौरान हादसा हो गया।

रामपुर में पुलिया बही

शिमला जिले के रामपुर उपमंडल की कूट पंचायत के सुरु गांव में बुधवार दोपहर भारी वर्षा से खड्ड उफान में आ गई। इससे सुरु गांव को जोड़ने वाली पुलिया तेज बहाव में बह गई। जो ग्रामीण बुधवार को खड्ड के दूसरी तरफ गए थे, वे वहां फंस गए हैं। कुल्लू जिले में ओट-लुहरी-सैज राष्ट्रीय राजमार्ग-305 मंगलवार रात कई जगह भूस्खलन से बाधित हो गया। बागीपुल-जोआँ-टारला मार्ग पर भूस्खलन से एक मकान को भी खतरा पैदा हो गया है। सड़क बंद होने से क्षेत्र के करीब 17 गांवों का संपर्क प्रभावित है।

क्या वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ खारिज होगा मामला इस आधार पर मिल सकती है राहत

वॉशिंगटन, एअेंसी। वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी ने बुधवार को एक अमेरिकी न्यायाधीश से अपने खिलाफ लगाए गए झग तस्कर्री के आरोपों को खारिज करने की मांग की। उन्होंने दलील दी कि किसी देश के राष्ट्रपति और प्रथम महिला के रूप में उन्हें कानूनी प्रतिक्रिया हासिल है। मैनहट्टन की संघीय अदालत में दाखिल दस्तावेजों में मादुरो के वकीलों ने कहा कि कानून के तहत न्यायाधीश को आरोपपत्र खारिज करना ही होगा, क्योंकि किसी विदेशी राष्ट्रपति के खिलाफ इस तरह का मामला नहीं चलाया जा सकता। किस कानून के आधार पर आरोप खारिज करने की मांग कर रहे हैं मादुरो: वकीलों ने कहा, 'किसी भी अमेरिकी अदालत ने अब तक ऐसे विदेशी नेता के खिलाफ आपराधिक मुकदमे की सुनवाई नहीं की है, जिसे आरोप लगाए जाने के समय उसके अपने देश ने राष्ट्रपति के रूप में मान्यता हासिल हो।' उन्होंने कहा, 'यह महज संयोग

नहीं है। यह एक ऐसे नियम को दर्शाता है जो सामान्य कानून से भी पुराना है। राष्ट्रपति अपने देश की अदालतों को छोड़कर किसी भी अन्य देश की अदालत को आपराधिक कार्यवाई से मुक्त होते हैं।' मादुरो और उनकी पत्नी के खिलाफ झग तस्कर्री के आरोपों पर मुकदमे की सुनवाई अगले साल 1 जून से शुरू होने वाली है। न्यायाधीश एल्विन के. हेल्बरस्टीन ने आरोपपत्र खारिज करने की मांग वाली याचिकाओं पर मौखिक दलीलों के लिए 17 नवंबर की तारीख तय की है। जनवरी की शुरुआत में निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को अमेरिकी बलों ने किया था गिरफ्तार: 63 वर्षीय मादुरो और उनकी 69 वर्षीय पत्नी सिल्विया फ्लोरेस को जनवरी की शुरुआत में आधी रात के दौरान कराकास स्थित उनके घर पर अमेरिकी बलों की कार्यवाई के बाद गिरफ्तार कर न्यूयॉर्क लाया गया था। तब से दोनों बुकलिन की एक जेल में बंद हैं। बुधवार को दाखिल अलग

दस्तावेजों में फ्लोरेस के वकीलों ने भी कहा कि उन्हें संप्रभु प्रतिक्रिया के आधार पर अमेरिका में अभियोजन से छूट हासिल है। उनके वकीलों ने कहा, 'यह वेनेजुएला को मिली हुई संप्रभुता है और इसे केवल वेनेजुएला ही त्याग सकता है।' मादुरो के वकीलों ने कहा कि अगर राष्ट्रपति होने के नाते उन्हें संप्रभु प्रतिक्रिया का अधिकार न भी मिले, तब भी उनके खिलाफ मामला खारिज किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें अपने आधिकारिक कृत्यों के आधार पर आचरण-आधारित संप्रभु प्रतिक्रिया भी हासिल है। आरोप सिद्ध होने पर मादुरो को कितनी सजा हो सकती है: मादुरो और फ्लोरेस के खिलाफ यह आपराधिक मामला पहली बार छह साल दर्ज किया गया था। अगर जुरी इस निष्कर्ष पर पहुंचती है कि दोनों अमेरिका में कोकैन भेजने की साजिश का हिस्सा थे, तो उन्हें उम्रकैद तक की सजा हो सकती है। संघीय अभियोजकों को इन कानूनी दलीलों पर अपना जवाब इस महीने के अंत में दाखिल करना है।

जी-20 बैठक में घमासान: अमेरिका पर बिफरे यूरोपीय देश, कनाडा से तीखी नोकझोंक; जर्मनी-फ्रांस ने भी उठाए सवाल

वाशिंगटन, एअेंसी। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना में आयोजित जी-20 वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नर्स की बैठक में उस वक्त असहज स्थिति पैदा हो गई, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आर्थिक मॉडल को दुनिया के सामने 'गेल मॉडल' की तरह पेश करने की कोशिशें उल्टी पड़ गईं। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने सम्मेलन के लगभग हर सत्र की शुरुआत यह कहते हुए की कि दुनिया को ट्रंप प्रशासन की नीतियों की नकल करनी चाहिए। लेकिन मेज के दूसरी तरफ बैठे अमेरिका के पारंपरिक सहयोगी-जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा ने इस आत्ममुगधता को स्वीकार करने के बजाय अमेरिकी नीतियों पर दुनिया की आर्थिक तस्करी को पटरी से उतारने का खुला आरोप मढ़ दिया। ईरान के साथ अमेरिकी युद्ध के चलते ग्लोबल एनर्जी सप्लाई और रियाँपिंग रूट्स का ठप होना, सहयोगियों को भरोसे में लिए बिना यूरोपीय मुद्रा (यूरो) बेचकर जापानी येन को सहारा देना, और कनाडा समेत यूरोपीय देशों पर थोपे गए दंडात्मक टैरिफ जैसे मुद्दों पर



पश्चिमी ब्लॉक के भीतर ही खुला असंतोष फूट पड़ा। बेसेंट बोले- 13 गुना ताकतवर देश से मत भिड़ो: सम्मेलन के दौरान सबसे तीखी जुबानी जंग अमेरिका और उसके उत्तरी पड़ोसी

अर्थव्यवस्था से 13 गुना बड़ा है। इस बयान पर पलटवार करते हुए कनाडा के वित्त मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शैम्पेन ने कहा-हम किसी से डरने वाले नहीं हैं। किसने क्या कहा: अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट बोले कि अमेरिका दुनिया की

एआई सुपरपावर है। हमारी कंप्यूटिंग क्षमता और डीएलएलएन बेजोड़ हैं। बाकी दुनिया हमारे साथ आकर तरक्की करे। वहीं, कनाडा के वित्त मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शैम्पेन ने कहा कि कनाडा अपने कामगारों और उद्योगों की हर कीमत पर रक्षा करेगा।

अमेरिका पर नाराजगी के ये 3 बड़े कारण

बिना पूछे यूरो बेचना और डॉलर बयाना: पिछले महीने अमेरिका ने जापानी मुद्रा (येन) को गिरने से बचाने के लिए अपने विदेशी मुद्रा भंडार में रखे 'यूरो' बेच दिए। इससे यूरोप की साझा मुद्रा 'यूरो' की वैल्यू गिर गई। जर्मनी के सेंट्रल बैंक के प्रमुख जोआकिम ने कहा कि इस कदम से यूरोप में भारी नाराजगी है। ईरान युद्ध से आर्थिक विकास की रफ्तार घटी: आईएमएफ ने हालिया समीक्षा में साफ किया है कि ट्रंप प्रशासन के ईरान युद्ध ने दुनिया भर में आर्थिक विकास की रफ्तार को धीमा किया है। जर्मन अर्थशास्त्रियों के अनुसार, युद्ध और अमेरिकी टैरिफ ने 2022 के बाद से जर्मनी के सबसे मजबूत विकास वर्ष पर पानी फेर दिया है।

रेगुलेशन बनाम लाइमेट का टकराव भी बढ़ा

जहां ट्रंप प्रशासन ने एआई और जीवाश्म ईंधन से तमाम पाबंदियां हटा दी हैं, वहीं यूरोप पर्यावरण के अनुकूल ग्रीन ट्रांजिशन और एआई पर कड़े नियमों के पक्ष में है। जर्मनी के वाइस चान्सेलर लार्स ने कहा-हमारे बीच स्पष्ट मतभेद हैं।



आरोप है कि पक्षी एक-दो दिन से नहीं, बल्कि काफी समय से टंकी में पड़ा था और सड़ने के कारण पानी में कीड़े भी पड़ गए थे। इसी पानी का इस्तेमाल बच्चे पीने के लिए करते थे और इसी से मिड-डे मील भी तैयार किया जा रहा था।

स्कूल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप

घटना की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों

और अधिभावकों ने स्कूल पहुंचकर विरोध जताया। उनका सवाल है कि टंकी में इतने दिनों से मरा पक्षी पड़ा रहा, लेकिन स्कूल प्रबंधन की नजर उस पर क्यों नहीं पड़ी। बच्चों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी कौन लेगा, इसे लेकर भी अधिभावकों ने नाराजगी जताई। एक अधिभावक ने आरोप लगाया कि स्कूल में तीन शिक्षक हैं, जिनमें एक पैरा शिक्षक है। प्रधान शिक्षक गोविंद मंडल लंबे समय से अस्वस्थ होने के कारण स्कूल नहीं आते। उनकी पत्नी काकुली कविराज मंडल, जो उसी स्कूल में पैरा शिक्षक हैं, स्कूल की अधिकांश व्यवस्थाएं देखती हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद प्रधान शिक्षक और उनकी पत्नी ने मामले की बात स्वीकार की है।

दिल्ली के घी और पंजाब की मिर्च की बिक्री पर राजस्थान में रोक, 9 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस सस्पेंड

जयपुर, एअेंसी। राजस्थान सरकार के खाद्य सुरक्षा विभाग ने पंजाब, दिल्ली और राजस्थान की कंपनियों द्वारा निर्मित देशी घी और मिर्च पाउडर के बाजार में बेचे जाने पर रोक लगाई गई है। कुल चार ब्रांड के देशी घी की बिक्री पर दो माह के लिए रोक लगाई गई है। खाद्य सुरक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली के सरनाथ औद्योगिक क्षेत्र में केडीपी फूड इंडस्ट्रीज द्वारा निर्मित कृष्ण सांवरीया इंडस्ट्रीज के गोल्डन थार ब्रांड देशी घी पर रोक लगाई गई है। जयपुर में अविध पार की खाद्य



पाउडर और राजस्थान में बालोतरा के मेसर्स दिशा एंटरप्राइजेज का नंदी ब्रांड देशी घी, बाड़मेर के श्री सांवरीया इंडस्ट्रीज के गोल्डन थार ब्रांड देशी घी पर रोक लगाई गई है। जयपुर में अविध पार की खाद्य

कुल नौ प्रतिष्ठानों के लाइसेंस सस्पेंड कर दिए गए हैं। पूर्व में अमरुक्षित खाद्य पदार्थों की बिक्री के कारण लाइसेंस निलंबित किए जाने के बावजूद बिना वैध लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन के खाद्य कारोबार जारी रखने पर जयपुर के तीन प्रतिष्ठानों के खाद्य लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन निरस्त कर दिए गए हैं। इनमें विद्याधर नगर स्थित एम/एस बालाजी जयका, कूकड़खेड़ा स्थित एम/एस गणपति ड्राईफ्रूट्स तथा निर्माण नगर स्थित द कंबू कैफे फूड एंड बेवरेजेज शामिल हैं।

पीएम मोदी-पेजेशकियन की मुलाकात पर क्यों अमेरिका की नजर: रूबियो बोले- भारत-ईरान के बीच व्यापार समझौता नहीं

वॉशिंगटन, एअेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बुधवार को कहा कि उन्हें नहीं लगता कि भारत और ईरान के बीच किसी व्यापार समझौते को लेकर बातचीत हो रही है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देश ईरान की सरकार से बातचीत करते हैं। रूबियो ने यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के बीच बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर हुई मुलाकात को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में की। यह सवाल फॉक्स न्यूज रेडियो के 'द ब्रायन किल्मीड शो' में उनसे पूछा गया था। कार्यक्रम के दौरान प्रस्तोता ब्रायन किल्मीड ने कहा कि पीएम मोदी और पेजेशकियन की मुलाकात में ऐसा लगा कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते की तैयारी हो रही है। इसके जवाब में रूबियो ने कहा, 'खैर, मुझे नहीं लगता कि भारत और ईरान के बीच कोई व्यापार समझौता है। जाहिर तौर पर, सभी देश अपनी-अपनी विदेश नीति तय करते हैं और दुनिया के कई देश ईरान की सरकार से बातचीत करते हैं।'

मुख्यमंत्री जनविश्वास एवं सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की कलेक्टर ने की समीक्षा

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा अभियान, जनभागीदारी बढ़ाने के साथ योजनाओं और विकास कार्यों के प्रचार-प्रसार पर जोर



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिए गए निर्देशों के अनुपालन में कलेक्टर श्री विकास मिश्रा ने गुरवार को जिला पंचायत सभागार में अधिकारियों की बैठक लेकर मुख्यमंत्री जनविश्वास एवं सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों

की समीक्षा की उन्होंने सभी विभागों को अभियान की निर्धारित गतिविधियों के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार कर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक जिले में व्यापक स्तर पर आयोजित किया जाएगा।

अभियान का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को आमजन तक पहुंचाने के साथ जनभागीदारी को बढ़ावा देना है उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अभियान के प्रत्येक कार्यक्रम में आम नागरिकों की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

जनविश्वास पोर्टल के प्रचार-प्रसार पर जोर: बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा शुभारंभ किए गए जनविश्वास पोर्टल की जानकारी भी अधिकारियों को दी गई कलेक्टर ने संबंधित विभागों को पोर्टल के उद्देश्यों एवं उपयोगिता के अनुरूप आवश्यक कर्वाइड सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता नागरिकों को पारदर्शी, सहज और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना है जनविश्वास अभियान प्रशासन और आमजन के बीच विश्वास एवं संवाद को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा कलेक्टर ने सभी विभागों को तिथिवार कार्ययोजना के अनुसार गतिविधियां आयोजित करने तथा प्रत्येक कार्यक्रम के लिए नोडल अधिकारी और सहयोगी अधिकारियों की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से तय करने को कहा कार्यक्रमों की नियमित समीक्षा और प्रगति की जानकारी वरिष्ठ

अधिकारियों को उपलब्ध करने के निर्देश भी दिए गए।
हितग्राहियों की सफलता की कहानियों का होगा प्रचार: अभियान के दौरान विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के अनुभवों को प्रमुखता से सामने लाया जाएगा कलेक्टर ने प्रेक्षक सफलता की कहानियां, फोटो और वीडियो बाइट तैयार कर फ्रंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित करने के निर्देश दिए साथ ही जिले में पूर्ण और प्रगतिरत प्रमुख विकास कार्यों तथा बड़ी परियोजनाओं को भी प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करने को कहा बांध, नहर, सड़क, हाईवे, अस्पताल, सांदिपनि विद्यालय सहित अन्य विकास कार्यों से आमजन के जीवन में आए बदलाव को प्रचार सामग्री के माध्यम से सामने लाने के निर्देश दिए गए।
दीप प्रज्वलन और सेवा ज्योति यात्रा होगी आकर्षण:

अभियान के दौरान योजनाओं से लाभान्वित हितग्राही अपने घरों में आशीर्वाद का दीपक जलाएंगे प्रमुख सार्वजनिक स्थलों, नदी घाटों और विकास के प्रतीकों पर भी दीप प्रज्वलन किया जाएगा नदी घाटों की स्वच्छता, विशाल सोली, मानव सोली सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। निर्धारित मार्ग पर सेवा ज्योति यात्रा के लिए भी आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए गए।
विद्यार्थियों के लिए भाषण-पेंटिंग प्रतियोगिताएं: शिक्षा विभाग को विद्यार्थियों के बीच विकसित भारत के संस्करण को लेखक भाषण एवं पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं उत्कृष्ट पेंटिंग्स की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी संस्कृति विभाग के सहयोग से नुकड़ नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से शासन की योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाएगी।



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) सीधी में आयोजित 38 दिवसीय कंप्यूटर अकाउंटिंग (टैली) प्रशिक्षण बैच का समापन हुआ। प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए युवाओं ने कंप्यूटर अकाउंटिंग के साथ डिजिटल कौशल और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग की जानकारी हासिल की प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को रोजगारोन्मुख कौशल से जोड़ने हुए उन्हें स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाना रहा समापन कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को स्वयं का उद्यम स्थापित करने और सफल उद्यमी बनने के लिए प्रेरित किया गया। अतिथियों ने युवाओं से कहा कि वे अपनी उपलब्ध

पूंजी के अनुसार छोटे स्तर से व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। आवश्यकता होने पर बैंक के माध्यम से छोटे ऋण प्राप्त कर अपने कारोबार का विस्तार किया जा सकता है। युवाओं को प्रशिक्षण के दौरान अर्जित कौशल का व्यावहारिक उपयोग करते हुए आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पुष्पेंद्र सिंह, डीपीएम एसआरएलएम, अशोक पाण्डेय, ब्लॉक प्रबंधक एसआरएलएम सीधी, रंजू सिंह, संतोष कुमार साहू एवं रानी साकेत उपस्थित रहे रीवा से आए असेसर पीके त्रिवेदी एवं संजीव ओझा ने प्रशिक्षणार्थियों का मूल्यांकन किया कार्यक्रम की अध्यक्षता आरसेटी सीधी के निदेशक शिवेंद्र कुमार चौधरी ने की।

तरका की गौशाला में विधायक विश्वामित्र पाठक ने किया भगवान बलराम और गौमाताओं का पूजन, गौशाला प्रबंधन को बेहतर देखभाल के लिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विधानसभा क्षेत्र सिहावल अंतर्गत ग्राम पंचायत तरका की गौशाला परिसर में बलराम जयंती के अवसर पर धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक विश्वामित्र पाठक शामिल हुए वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान बलराम का पूजन किया गया। इसके बाद विधायक ने गौमाताओं का पूजन कर उन्हें चारा एवं फल खिलाया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक विश्वामित्र पाठक ने कहा कि भगवान बलराम भारतीय संस्कृति में शक्ति, श्रम, कृषि और ग्रामीण जीवन के प्रतीक हैं उनका जीवन समाज को परिश्रम, कर्तव्यनिष्ठा और कृषि संस्कृति के प्रति सम्मान की प्रेरणा देता है उन्होंने कहा कि



भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और जीवनशैली में कृषि तथा गौवंश का सदियों से महत्वपूर्ण स्थान रहा है गौसेवा भारतीय परंपरा का अभिन्न हिस्सा है और गौसंवर्धन के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दी जा सकती है।
गौशाला में बेहतर व्यवस्था के निर्देश: विधायक ने गौशाला प्रबंधन तथा पशुपालन विभाग द्वारा संचालित

विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा गौवंश के लिए दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि को 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये प्रति गौवंश किया गया है। उन्होंने गौशाला संचालक समूह को निर्देश दिए कि गौवंश के लिए नियमित रूप से भोजन और स्वच्छ पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए पशुओं की

स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों और साफ-सफाई पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया उन्होंने कहा कि गौशालाओं का प्रमुख उद्देश्य निराश्रित एवं आवारा गौवंश को सुरक्षित आश्रय और संरक्षण उपलब्ध कराना है वहीं पशुपालकों को अपने पालतू गौवंश को घर पर रखकर उनकी उचित देखभाल करनी चाहिए गौशालाओं में संरक्षित पशुओं के भोजन, पानी, स्वास्थ्य और

समुचित प्रबंधन की जिम्मेदारी संबंधित समूहों को गंभीरता से निभानी होगी।
विकास कार्यों की भी दी जानकारी: विधायक ने ग्राम पंचायत तरका में स्वीकृत एवं प्रस्तावित विकास कार्यों की जानकारी भी ग्रामीणों को दी उन्होंने गौशाला से झरिया नाला तक पीसीसी सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत कराने की बात कही उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और ग्रामीणों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी विधायक ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र के पात्र हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में किसी प्रकार की लापरवाही न हो उन्होंने पात्र लोगों को आवास, पेंशन सहित अन्य योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध करने के निर्देश दिए।

जिला स्तरीय जन्माष्टमी समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों और चित्र प्रदर्शनी ने बांधा समां, उत्कृष्ट विद्यार्थियों को मिले पुरस्कार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टमसार में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का जिला स्तरीय समारोह हर्षोल्लास, श्रद्धा और सांस्कृतिक उत्साह के साथ आयोजित किया गया। भगवान श्रीकृष्ण के जीवन आदर्शों, बाल लीलाओं और भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपराओं से विद्यार्थियों को जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में भौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम मुख्य अतिथि रहे कलेक्टर विकास मिश्रा भी समारोह में उपस्थित रहे कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ समारोह में विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और बाल लीलाओं पर आधारित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। बरसाने की छोरी लोक नृत्य ने कार्यक्रम में रंग भर दिया वहीं कृष्ण लीला नाटक के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का सजीव मंचन

किया गया महारास राधा-कृष्ण लीला और कृष्ण विषयक सामूहिक नृत्य की प्रस्तुतियों से विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण में डूब गया विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई चित्र प्रदर्शनी भी समारोह का विशेष आकर्षण रही प्रदर्शनी में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनकी लीलाओं और भारतीय संस्कृति से जुड़े विभिन्न चित्र प्रदर्शित किए गए चित्रों के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा और कला कौशल देखने को मिला संस्कृति से जुड़ने के साथ प्रतिभाओं को मिलता है मंच मुख्य अतिथि विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने विद्यार्थियों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना की उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ उनकी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं। क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है सीमित संसाधनों के बावजूद यहां के विद्यार्थी शिक्षा और विभिन्न

क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं उन्होंने राष्ट्रपति से मिलने का अवसर प्राप्त करने वाली छात्रा मीनाक्षी सिंह तथा नीट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले डेवा के छात्र संजय यादव की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि क्षेत्र के विद्यार्थियों में आगे बढ़ने की पूरी क्षमता है आने वाले समय में यहां की प्रतिभाएं नई ऊंचाइयां हासिल करेंगी विधायक ने शिक्षा के साथ संस्कार एवं संस्कृति को बढ़ावा देने पर जोर दिया उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि विकास कार्यों में संसाधनों की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगीकलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी जैसे सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति गौरव की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने विधायक की प्रस्तुतियों और विद्यालय द्वारा किए गए आयोजन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अतिवृष्टि से नुकसान का तत्काल सर्वे, जनसुनवाई और जनविश्वास प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने खंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा की उन्होंने अतिवृष्टि, राजस्व, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, आजीविका मिशन, कृषि, शिक्षा, विद्युत, लोक निर्माण एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए अतिवृष्टि से हुए जन-धन एवं मकानों के नुकसान का तत्काल सर्वे कर प्रभावितों को नियमानुसार राहत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। राजस्व विभाग के लंबित प्रकरणों, पेंशन मामलों तथा जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का गंभीरता से समयबद्ध निराकरण करने को

कहा गया स्वास्थ्य विभाग में बेहतर प्रबंधन और एनआरसी केंद्रों के प्रभावी संचालन पर जोर दिया गया महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण में तेजी लाने तथा बचपन कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिए गए आजीविका मिशन की समीक्षा में मां की बगिया, मुर्गी पालन, बकरी पालन एवं दुग्ध उत्पादन जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देने और ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने के प्रयास करने को कहा गया कृषि विभाग को धन-धान्य योजना के साथ तिल एवं मोटे अनाज की खेती को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए निर्माणधीन भवनों की गुणवत्ता का नियमित परीक्षण करने तथा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कहा गया

कर्मचारियों के आवास के लिए आवश्यकतानुसार कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए लोक निर्माण विभाग को क्षतिग्रस्त सड़कों की तत्काल मरम्मत एवं नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए शिक्षा विभाग को अशासकीय विद्यालयों के संचालन एवं मानिंदरिंग पर विशेष ध्यान देने तथा विद्युत विभाग को लंबित बिलों से संबंधित कार्रवाही समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए खाद्यान्न वितरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति खाद्यान्न से वंचित न रहे कलेक्टर ने सभी विभागों को कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा योजनाओं की जानकारी आमजन के समक्ष स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

अतिवृष्टि एवं बाढ़ की आशंका को लेकर प्रशासन अलर्ट, कलेक्टर ने की तैयारियों की समीक्षा

नदियों और जलाशयों के जलस्तर पर निगरानी, संवेदनशील क्षेत्रों में राहत-बचाव की तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में लगातार हो रही वर्षा तथा अतिवृष्टि की संभावित स्थिति को देखते हुए कलेक्टर श्री विकास मिश्रा ने जिला पंचायत सभागार में बैठक लेकर जिले में वर्षा की स्थिति, नदियों एवं जलाशयों के

जलस्तर, बाढ़ एवं जलभराव की संभावना तथा आपदा प्रबंधन की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की उन्होंने संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए संभावित परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने

के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि अतिवृष्टि एवं बाढ़ की स्थिति में जन-सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है इसके लिए संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान, समय पर सूचना और त्वरित राहत-बचाव की व्यवस्था प्रभावी रखी जाए। मैदानी अमला अपने-अपने क्षेत्रों में स्थिति पर नजर रखे और किसी भी असामान्य परिस्थिति की सूचना तत्काल जिला प्रशासन को उपलब्ध कराएं।
नदियों एवं जलाशयों के जलस्तर की करें सतत निगरानी: बैठक में प्रमुख नदियों, नालों, बांधों एवं जलाशयों के वर्तमान जलस्तर की समीक्षा की गई कलेक्टर ने जल संसाधन एवं संबंधित विभागों को जलस्तर में होने वाले परिवर्तन की नियमित जानकारी उपलब्ध

कराने के निर्देश दिए नदी किनारे तथा निचले क्षेत्रों में बसे गांवों पर विशेष निगरानी रखने और जलस्तर बढ़ने की स्थिति में लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की कार्ययोजना तैयार रखने को कहा गया। बाढ़ संभावित क्षेत्रों को सूची भी अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए।
राहत एवं बचाव के संसाधन रहें तैयार: कलेक्टर ने निर्देश दिए कि संभावित प्रभावित क्षेत्रों के लिए आवश्यक राहत एवं बचाव सामग्री उपलब्ध रहे नाव, लाइफ जैकेट, रस्सियां, टॉच, जनरेटर, प्राथमिक उपचार सामग्री सहित आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता एवं उपयोग की स्थिति की जांच की जाए।

खाद्यान्न वितरण में गड़बड़ी करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई, जेल भेजने के निर्देश



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस), खाद्यान्न परिवहन एवं वितरण तथा आगामी धान उपार्जन की

तैयारियों की समीक्षा की उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उचित मूल्य दुकानों के लिए खाद्यान्न का समय पर आवंटन और उठाव सुनिश्चित कर दुकानों में पर्याप्त भंडारण कराया जाए। हितग्राहियों को निर्धारित समय पर

खाद्यान्न उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी कलेक्टर ने जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम को शेष 170 उचित मूल्य दुकानों में तत्काल खाद्यान्न पहुंचाने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि वर्तमान में हितग्राहियों को दो माह का खाद्यान्न एक साथ दिया जा रहा है इसलिए गेहूं और चावल का परिवहन भी एक साथ कराकर दुकानों तक पहुंचाया जाए खाद्यान्न के परिवहन अथवा वितरण में लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी सभी सहायक खाद्य अधिकारियों को उचित मूल्य दुकानों का नियमित निरीक्षण

करने के निर्देश भी दिए गए कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि गरीबों के हक का खाद्यान्न हड़पने या वितरण में गड़बड़ी करने वाले सेल्समैन और समिति प्रबंधकों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर उन्हें जेल भेजने की कार्रवाई की जाए उन्होंने ऐसे मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई के निर्देश भी दिए सेल्समैन और समिति प्रबंधकों के वेतन से नमक की राशि जमा कराने के निर्देश दिए गए सिरमौर एसडीएम को खाद्यान्न की राशि की वसूली के लिए संबंधित सेल्समैन के विरुद्ध कुकी की कार्रवाई करने के निर्देश भी कलेक्टर ने फोन पर दिए बैठक में सार्वजनिक वितरण

प्रणाली के छूटे हुए हितग्राहियों की ई-केवाईसी की भी समीक्षा की गई। जिले में 31,709 हितग्राहियों की ई-केवाईसी लंबित है, जबकि अभी तक केवल करीब 9 हजार हितग्राहियों की ई-केवाईसी पूरी हो सकी है कलेक्टर ने एक सप्ताह के भीतर शेष सभी हितग्राहियों की ई-केवाईसी कराने के निर्देश दिए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में खाद्यान्न वितरण नहीं हो पाने के मामलों पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वितरण के लिए समय-सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव तत्काल वरिष्ठ कार्यालय को भेजा जाए, ताकि प्रभावित हितग्राहियों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा सके।



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सौम्या आनंद ने गुरुवार को समयबद्धता बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया जिले में 207 प्राथमिक शिक्षक (सामान्य) और 21 प्राथमिक शिक्षक (विशेष शिक्षा) की नियुक्ति हुई है। इनके अभिलेखों के सत्यापन के लिए जिले में दो केंद्र बनाए

अधिकारियों को अभिलेखों का नियमानुसार और सावधानीपूर्वक परीक्षण करने के निर्देश दिए उन्होंने प्रक्रिया में पारदर्शिता और सत्यापन कार्य का निरीक्षण किया उन्होंने सत्यापन प्रक्रिया की जानकारी लेते हुए संबंधित

गए हैं। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 में सीधी एवं सिहावल विकासखंड के अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया जा रहा है इस केंद्र पर अब तक 95 प्राथमिक शिक्षकों और 9 विशेष शिक्षकों के अभिलेखों का सत्यापन पूरा किया जा चुका है इसी प्रकार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 में रामपुर नैकिन एवं मड़ौली विकासखंड के अभ्यर्थियों के अभिलेखों का सत्यापन किया जा रहा है यहां 74 प्राथमिक शिक्षकों के दस्तावेजों का सत्यापन किया जा रहा है 6 विशेष शिक्षकों के अभिलेखों का सत्यापन पूर्ण कर लिया गया है सत्यापन पूरा होने के बाद संबंधित अभ्यर्थियों को अपने-अपने विद्यालयों में कार्यभार ग्रहण करने के लिए मुक्त किया गया है।

विधिक मापविज्ञान (भारतीय मानक समय) नियम, 2026 ने खोला एक राष्ट्र, एक समय का नया अध्याय!

किशन सनमुखदास भावनानी

भारत की बदलती तस्वीर में अब समय की भी बारी! -घड़ी की सुई से डिजिटल क्रांति तक: एक राष्ट्र एक समय से बदलने जा रहा भारत!

वैश्विक स्तरपर आज का भारत तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी,डिजिटल अर्थव्यवस्था और आधुनिक संचार व्यवस्था के दौर से गुजर रहा है। कभी देश में एक राष्ट्र, एक चुनाव,एक राष्ट्र, एक कर,एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड एक राष्ट्र,एक ग्रिड,एक राष्ट्र, एक बाजार,एक राष्ट्र, एक कानून/समान नागरिक संहिता याने यूनिफार्म स्विबल कोबड यानी समान नागरिक कानून की बहस/प्रस्ताव।एक राष्ट्र एक समय,पूरे देश की महत्वपूर्ण आधिकारिक और तकनीकी प्रणालियों के लिए आईएसटी को साझा समय-संदर्भ बनाना,जैसी अवधारणाओं पर चर्चा होती है,इसी व्यापक सोच की अगली महत्वपूर्ण कड़ी अब एक राष्ट्र, एक समय के रूप में सामने आ रही है। इसका सीधा अर्थ है कि भारत में कानूनी,प्रशासनिक, व्यावसायिक और महत्वपूर्ण तकनीकी कार्यों के लिए भारतीय मानक समय यानी आईएसटी को एक समान आधिकारिक समय-संदर्भ बनाया जाएगा।सुनने में यह केवल घड़ी का समय एक करने जैसा लग सकता है, लेकिन वास्तव में यह

भारत की डिजिटल और तकनीकी व्यवस्था को अधिक सुरक्षित,सटीक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह चाहूंगा कि सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि भारत में समय की आधिकारिक व्यवस्था क्या है। देश में भारतीय मानक समय यानी इंडियन स्टैंडर्ड टाइम (आईएसटी) लागू है,जो पूरे भारत के लिए एक ही आधिकारिक समय है।सामान्य जीवन में हम मोबाइल,कंप्यूटर,घड़ी या टीवी पर यही समय देखते हैं। लेकिन आधुनिक डिजिटल व्यवस्था में केवल घंटे और मिनट महत्वपूर्ण नहीं हैं। बैंकिंग लेन-देन, शेयर बाजार, इंटरनेट नेटवर्क,रेलवे सिग्नल, बिजली ग्रिड, डिजिटल भुगतान और सरकारी सर्वर जैसी प्रणालियों में सेकंड के छोटे हिस्से तक का समय महत्वपूर्ण हो सकता है। किसी डिजिटल लेन-देन का सही समय दर्ज होनाकई बार यह तय करता है कि भुगतान पहले हुआ या बाद में, आदेश कब दिया गया या किसी सिस्टम में कोई घटना ठीक किस समय हुई।टेलीकॉम ऑपरेटर्स (जैसे बीएसएनएल, जिओ,एयरटेल) को अपने सर्वस और नेटवर्क टावरों को भारतीय परमाणु घड़ियों (एटॉमिक क्लॉक्स) के समय के साथ सिंक करना

होगा।सटीक बिलिंग: डेटा उपयोग और कॉलिंग की समय-सीमा आधारित बिलिंग में ग्राहकों को अधिक पारदर्शिता मिलेगी। साथियों, इसी आवश्यकता को देखते हुए उपभोक्ता मामले विभाग ने 27 अगस्त 2026 को विधिक मापविज्ञान (भारतीय मानक समय) नियम, 2026 की अधिसूचना जारी की है। इन नियमों का उद्देश्य देशभर में कानूनी, प्रशासनिक,व्यावसायिक और अन्य आधिकारिक उद्देश्यों के लिए भारतीय मानक समय को एक समान समय -संदर्भ के रूप में स्थापित करना है। नियम आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 180 दिन बाद लागू होंगे।यह 180 दिनों की अवधि इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकार,कंपनियां,संस्थानों और तकनीकी प्रणालियों को अपने सर्वर,नेटवर्कसॉफ्टवेयर और समय-संबंधी व्यवस्थाओं में आवश्यक बदलाव करने का अवसर मिलेगा। साथियों, एक राष्ट्र एक समय की जरूरत आज इसलिए बढ गई है क्योंकि भारत अब केवल भौतिक अर्थव्यवस्था नहीं रहा।देश की अर्थव्यवस्था का बहुत बड़ा हिस्साडिजिटल नेटवर्क पर चलता है।एक व्यक्ति अपनेमोबाइल से कुछ सेकंड में दूसरे शहर में पैसा भेज सकता है। शेयर बाजार

में हजारों लेन-देन अत्यंत कम समय में हो सकते हैं। बैंक के सर्वर देश के अलग-अलग हिस्सों में मौजूद हो सकते हैं। मोबाइल नेटवर्क लाखों उपकरणों को एक साथ जोड़ते हैं।बिजली ग्रिड लगातार उत्पादन और खपत का संतुलन बनाए रखते हैं। रेलवे और विमानन व्यवस्था समय के बेहद सटीक तालमेल पर निर्भर करती है। ऐसे में यदि अलग-अलग प्रणालियां अलग-अलग समय स्रोतों पर निर्भर हों और उनमें सूक्ष्म अंतर हो, तो डिजिटल रिकॉर्ड और विभिन्न प्रणालियों के बीच समन्वय प्रभावित हो सकता है।यही कारण है कि एक समान समय-संदर्भ केवल घड़ी मिलाने का मामला नहीं है, बल्कि डिजिटल भारत की आधारभूत संरचना को मजबूत करने का विषय है। बैंकिंग और डिजिटल भुगतान में प्रत्येक लेन-देन का टाइम- स्टेम महत्वपूर्ण होता है। उदाहरण के लिए यदि किसी व्यक्ति के खाते से पैसा कट गया लेकिन सामने वाले खाते में राशि कुछ देर बाद दिखाई दी, तो दोनों प्रणालियों में दर्ज समय की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।एक विश्वसनीय और समान समय व्यवस्था ऐसे तकनीकी विवादों के समाधान को बहुत अधिक सटीकता से व्यवस्थित बना सकती है। साथियों इसका असर शेयर बाजार परिवहन व दूर संचार

पर भी महत्वपूर्ण हो सकता है। आधुनिक शेयर बाजार में हजारों और लाखों ऑर्डर बहुत कम समय में दर्ज होते हैं। किस ऑर्डर को पहले दर्ज किया गया,किस समय कारोबार हुआ और किसी विशेष गतिविधि का टाइम- स्टेम क्या था,ये सभी बातें बाजार की पारदर्शिता के लिए महत्वपूर्ण हैं।भारतीय मानक समय पर आधारित अधिक सटीक समय-सिंक्रोनाइजेशन से वित्तीय बाजारों में रिकॉर्डिंग और निगरानी की व्यवस्था मजबूत हो सकती है।परिवहन क्षेत्र में भी इसका महत्व कम नहीं है। रेलवे में सिग्नलिंग, ट्रेन संचालन और समय- सारणी के लिए सटीक समय जरूरी है। हवाई अड्डों पर उड़ानों, सुरक्षा प्रक्रियाओं और विभिन्न परिचालन गतिविधियों का समन्वय समय के आधार पर होता है। लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में ट्रकों, मालगाड़ियों और अन्य परिवहन माध्यमों की वास्तविक समय में निगरानी की जाती है। इसलिए समान और विश्वसनीय समय-संदर्भ सपलाई चेन को अधिक प्रभावी बनाने में मदद कर सकता है।दूरसंचार और इंटरनेट की दुनिया में समय- सिंक्रोनाइजेशन और भी महत्वपूर्ण है। मोबाइल नेटवर्क के अलग-अलग टावरों और नेटवर्क उपकरणों को एक-दूसरे के साथ तालमेल बनाकर काम करना पड़ता

है। डेटा सेंटर और कंप्यूटर नेटवर्क भी समय के सटीक रिकॉर्ड पर निर्भर करते हैं। यही कारण है कि भारत में अपने विश्वसनीय समय-स्रोतों का विकास रणनीतिक महत्व रखता है।भविष्य में महत्वपूर्ण प्रणालियों के लिए विदेशी समय-स्रोतों पर निर्भरता कम करना भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता को मजबूत कर सकता है। साथियों, इसी संदर्भ में भारत की स्वदेशी उपग्रह प्रणाली नाविक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। नाविक भारत की क्षेत्रीय उपग्रह नेविगेशन प्रणाली है, जिसे इसरो ने विकसित किया है। उपग्रह-आधारित प्रणालियों से सटीक समय-संदर्भ प्राप्त किया जा सकता है। इसके साथ भारत अपने वैज्ञानिक और मेट्रोलॉजी संस्थानों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर सटीक भारतीय मानक समय के प्रसार का बुनियादी ढांचा विकसित कर रहा है। इसका उद्देश्य महत्वपूर्ण प्रणालियों को विश्वसनीय भारतीय समय-स्रोत उपलब्ध कराना है। इसी दिशा में वाइए रैंबट तकनीक भी महत्वपूर्ण है।सरल भाषा में समझें तो यह अत्यंत सटीक नेटवर्क टाइम- सिंक्रोनाइजेशन तकनीक है, जो फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क के माध्यम से बहुत छोटे समय-अंतर को भी मापने और नियंत्रित करने में सक्षम है।

एसआईआर के सवाल

निस्संदेह, किसी लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी व निष्पक्ष होनी चाहिए। साथ ही मतदाताओं की विश्वसनीयता भी उतनी जरूरी है ताकि वाजिब वोट ही चुनाव प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाए। इसी आलोक में नौ राज्यों व तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल तार्किक समाधान मांगते हैं। इस प्रक्रिया में तुरत-भूत की कार्यनीति के चलते कई राज्यों में अफरा-तफरी का आलम नजर आता है। जिसका दबाव जमीनी स्तर पर इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों पर पड़ रहा है। कई बूथ स्तरीय अधिकारी यानी बीएलओ बेहद तनाव में नजर आ रहे हैं। इनका कार्य मतदाता सूचियों को अपडेट करना है। पश्चिम बंगाल और कई अन्य राज्यों में कम समय में अधिक काम के दबाव के चलते कुछ बीएलओ के मरने व आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। आरोप है कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ही नहीं बल्कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों द्वारा भी उन्हें परेशान किए जाने का आरोप है। हालांकि, इस अव्यवस्था के चलते ही चुनाव आयोग ने अब एसआईआर के कार्यक्रम को एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दिया है। लेकिन कहना कठिन है कि इस कदम से बीएलओ का तनाव कम करने

या विभिन्न हिद्धारकों की आशंकाओं को दूर करने में कोई खास मदद मिल सकेगी। कहा जा रहा है कि एक माह पहले शुरू हुई राष्ट्रव्यापी एसआईआर प्रक्रिया में कई तरह की बाधाएं आ रही हैं। इस प्रक्रिया में करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल हैं, जो तकरीबन भारतीय आबादी का एक-तिहाई से भी ज्यादा। उनकी शिनाख्त से जुड़ी जानकारी को एक निश्चित समय सीमा में प्रमाणित कर

पाना आसान नहीं है। कहा जा रहा है कि निर्धारित समय-सीमा व्यवहारिक नहीं है। तीन महीने की अवधि में गणना प्रपत्रों का वितरण, उसके बाद मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन और फिर अंतिम मतदाता सूची जारी करना आसान काम नहीं है। बहुत तेजी से काम को अंजाम देने का जिम्मा अधिकारियों पर आंतिरकत दबाव बना रहा है। निस्संदेह, स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनावों हेतु मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण एक अनिवार्य शर्त है। लेकिन महत्वपूर्ण काम को जल्दबाजी में नहीं किया जाना चाहिए। मतदाता को यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त समय मिले ताकि उनके नाम सूचियों में सही ढंग से दर्ज हो सकें। यही बात बीएलओ के लिए भी लागू होती है, ताकि वे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहराव वाले मतदाताओं का डेटा संकलित करने के लिए बूथ-स्तरीय एजेंटों के साथ मिलकर सुचारु रूप से काम कर सकें। यदि एसआईआर की प्रक्रिया किसी विवाद में उलझी रहती है तो इस अभियान का उद्देश्य ही विफल हो सकता है। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया के घटनाक्रमों से मिले सबक को अन्य राज्यों में इस प्रक्रिया के दौरान याद रखा जाना चाहिए। निस्संदेह, स्तरहीन व संदिग्ध एसआईआर हमारे चुनावी लोकतंत्र की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचा सकता है। उल्लेखनीय है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की यह प्रक्रिया मध्य

प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, गोवा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों तथा अंडमान-निकोबार, लक्षद्वीप व पुदुचेरी केंद्रशासित प्रदेशों में जारी है। उल्लेखनीय है कि जहां बीएलओ पर कार्यदबाव व समय सीमा को लेकर सवाल उठ रहे हैं, वहां कई राज्यों में बीएलओ के खिलाफ मामले दर्ज करने के भी आरोप लगे हैं।

मल्टीनेशनल और टेक कंपनियों से ईस्ट इंडिया कंपनी जैसा खतरा?

रगत जैन

इतिहास कभी मरता नहीं है, वह बार-बार नए रूप में हमारे सामने आता है। सवाल यह है, क्या भारत ने ईस्ट इंडिया कंपनी के इतिहास से कोई सबक सीखा है? 18वीं शताब्दी में व्यापार करने आई यह कंपनी धीरे-धीरे इतनी शक्तिशाली हो गई, उसने भारत के बड़े हिस्से पर राजनीतिक और प्रशासनिक नियंत्रण स्थापित कर लिया। व्यापार उसके लिए केवल कारोबार नहीं था, बल्कि सत्ता तक पहुंचने का रास्ता भी बन गया। आज परिस्थितियां बदली हैं, कंपनियों के नाम बदल गए हैं, तकनीक बदल गई है, सवाल फिर वही खड़ा है— क्या आर्थिक शक्ति धीरे-धीरे राजनीतिक और सामाजिक शक्ति के रूप में ईस्ट इंडिया कंपनी के इतिहास को दोहरा रही है। ईस्ट इंडिया कंपनी ने व्यापारिक समझौतों, वित्तीय सहायता, सैन्य सुखा और राजनीतिक हस्तक्षेप के जरिए भारतीय रियासतों में अपना प्रभाव बढ़ाया। अनेक भारतीय शासक तत्काल लाभ और सुरक्षा के लिए कंपनी पर निर्भर होते चले गए। परिणाम यह हुआ कि जिस कंपनी को व्यापार के लिए चुना गया था, वही धीरे-धीरे शासक बन गया। आज भारत, 140 करोड़ से अधिक आबादी का देश है। हमारे सामने तलवार लेकर कोई विदेशी कंपनी नहीं खड़ी है। डिजिटल युग में सत्ता का स्वरूप बदल चुका है। डेटा, तकनीक, संचार नेटवर्क, डिजिटल भुगतान, सोशल मीडिया, क्लाउड, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ई-कॉमर्स के आधुनिक दौर में यह नए सामरिक संसाधन हैं। जिस कंपनी के पास करोड़ों नागरिकों के व्यवहार, पसंद, आर्थिक गतिविधियों और संचार से जुड़ा विशाल डेटा है, उसके पास केवल व्यापारिक ताकत नहीं रहती; वह समाज की दिशा को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। 1990 दशक के बाद भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए तेजी से खुला। विदेशी निवेश और वैश्विक व्यापार ने भारत को पूंजी, तकनीक और रोजगार के नए अवसर दिए। इसमें कोई संदेह नहीं है, बहुराष्ट्रीय कंपनियां ने भारतीय अर्थव्यवस्था को आधुनिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आर्थिक विकास के साथ एक दूसरा सवाल पैदा हुआ, क्या सरकारों ने आर्थिक उदारीकरण के साथ उतनी ही मजबूती से नागरिकों के अधिकारों और बाजार में प्रतिस्पर्धा की, सुरक्षा को लेकर चिंता की। 2014 के बाद सभी क्षेत्रों में विदेशी निवेश के रास्ते खुले। रक्षा, मीडिया, बैंकिंग सहित संवेदनशील क्षेत्रों में भी भीती और

विदेशी पूंजी की भूमिका बढ़ी। भारतीय कंपनियों और वैश्विक कंपनियों के बीच साझेदारियां हुईं। यह जब बड़ी कंपनियां इतनी शक्तिशाली हो जाएं, कि बाजार, उपभोक्ता और सरकार, तीनों उनकी तकनीकी व्यवस्था पर निर्भर होने लगे, तब लोकतंत्र के लिये ईस्ट इंडिया कंपनी जैसा खतरा पैदा होता है। ईस्ट इंडिया कंपनी के पास बंदूक थी; आज की डिजिटल कंपनियों के पास एल्गोरिथ है। उस समय ईस्ट इंडिया कंपनी व्यापारिक रास्तों को माध्यम बनाकर शासक को नियंत्रित करती थी। आज डिजिटल कंपनियां सूचना और संचार माध्यम से शासन को प्रभावित कर रही है। उस समय सत्ता पर कब्जे का रास्ता आर्थिक निर्भरता से होकर जाता था। वर्तमान में डिजिटल निर्भरता उससे भी बड़ा जोखिम पैदा कर रही है। सबसे बड़ा खतरा तब पैदा होता है जब सरकारें भी निजी क्षेत्र की कंपनियों के तकनीकी ढांचे पर अत्यधिक निर्भर हो जाएं। नागरिकों की पहचान, भुगतान, संचार, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और प्रशासन का बड़ा हिस्सा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्भर हो गया है। ऐसे में प्रश्न केवल यह नहीं रह जाता, कंपनी कितना मुनाफा कमा रही है। प्रश्न यह है, टेक एवं बहुराष्ट्रीय कंपनी के पास कितनी शक्तिशाली हो रहें हैं। उस शक्ति पर संविधान, शासन एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था का नियंत्रण कितना है? कॉर्पोरेट लॉबिंग भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में बड़ी चुनौती है। कानून जनता के हित में बनेगे या उन कंपनियों के हित में बनेगे, जिनके पास सरकारों और नीति-निर्माताओं को प्रभावित करने के लिए विशाल संसाधन हैं। यह सवाल दुनिया के अनेक लोकतांत्रिक देशों में उठ रहा है। अमेरिका और यूरोप में बिग टेक की बाजार शक्ति, डेटा नियंत्रण और उनके जनीतिक प्रभाव पर जो बहस हो रही है, वह इसी चिंता को दर्शाती है। भारत के सामने चुनौती विदेशी कंपनियां अकेली की नहीं हैं, चुनौती है, किसी भी कंपनी का इतना शक्तिशाली हो जाना कि सरकार, बाजार और नागरिक उसके बिना आर्थिक एवं सामाजिक रूप से अशक्त हो जायें। यह शक्ति विदेशी कंपनी के पास हो या भारतीय कंपनी के पास, लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरा समान है। ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत को सिखाया था, जब राज्य कमजोर और आर्थिकहित अत्यधिक शक्तिशाली हो जाएं, तो शासन व्यवस्था खतरे में पड़ती हैं। स्वतंत्र भारत में उसी इतिहास को, डिजिटल युग की रौशनी में देखने की जरूरत है।

रमेश चंद्र शर्मा

बापू के अपने शब्दों में, ‘राष्ट्र के प्रत्येक घटक की ओर उसमें भी उसके गरीब-से-गरीब व्यक्ति की स्वतंत्रता की सिद्धि।’ यही स्वराज्य की मूल कसौटी है। इसके लिए केवल राजनीतिक संघर्ष पर्याप्त नहीं था। गांधी ने कहा, ‘स्वराज्य की स्थापना के लिए जिस अहिंसक पुरुषार्थ की जरूरत है, उसके लिए यह जरूरी है कि रचनात्मक कार्यक्रम का अमल समझ-बूझकर किया जाय।’ ‘सविनय कानून-भंग और सत्याग्रह, चाहे व्यक्तिगत हो या सामूहिक, रचनात्मक कार्यों के सहायक हैं। वे समाज में अहिंसक प्रतिरोध की शक्ति पैदा करते हैं और रचनात्मक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का अवसर देते हैं।’ गांधी ने कहा था, ‘सविनय कानून-भंग या सत्याग्रह, फिर वह सामूहिक हो या व्यक्तिगत, रचनात्मक कार्य का सहायक है, और वह सशस्त्र विद्रोह का स्थान भलीभांति ले सकता है।’ इसलिए उनके यहां संघर्ष और निर्माण अलग-अलग प्रक्रियाएं नहीं हैं। सत्याग्रह अन्याय का प्रतिरोध करता है, जबकि रचनात्मक कार्य उस समाज के निर्माण की कोशिश करता है जिसमें अन्याय और हिंसा के लिए जगह कम होती जाए। गांधी ने इसी संदर्भ में कहा, ‘सत्याग्रह में तालीम का अर्थ है, रचनात्मक कार्यक्रम या तामीरी काम।’ ‘रचनात्मक कार्य हिंसा, द्वेष, अलगाव, शोषण, बेरोजगारी और सामाजिक र्विक्ता का विकल्प प्रस्तुत करता है। समाज को स्वावलंबी, सक्रिय, उत्पादक और सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ उसे जोड़ने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में समता, सक्रियता, कुशलता, समझदारी, साझापन, जागरूकता, निर्भयता, शिक्षा और संगठन को बढ़ावा दिया जा सकता

है। रचनात्मक कार्यों का एक महत्वपूर्ण पक्ष समाज के प्रत्येक घटक से संपर्क और संवाद स्थापित करना है। इसके माध्यम से लोगों के बीच बातचीत का सिलसिला शुरू होता है। किसी समाज में प्रवेश का

किसान, मजदूर, आदिवासी, स्त्री, विद्यार्थी, गरीब, बीमार और समाज के वे लोग भी शामिल थे, जिन्हें मुख्यधारा अक्सर पीछे छोड़ देती है। इसीलिए रचनात्मक कार्यक्रम का लक्ष्य समाज के किसी एक हिस्से का

लचक और व्यापारिकता दिखाई देती है। रचनात्मक कार्यों का चयन समय, स्थान, क्षेत्र, माहौल, वातावरण, अपनी क्षमता और आवश्यकता के अनुसार किया जा सकता है। विचार-विमर्श, चिंतन-



यह ऐसा रास्ता है, जहां सेवा और संवाद एक-दूसरे से जुड़ते हैं। लोगों की वास्तविक समस्याओं को समझने और उन्हें समाधान की प्रक्रिया में सहभागी बनाने का अवसर मिलता है। गांधी ने रचनात्मक कार्यक्रम की सूची में कौमी एकता, अस्पृश्यता-निवारण, शराबबंदी, खादी, ग्रामोद्योग, गांव की सफाई, नई या बुनियादी तालीम, बड़ों की तालीम, स्त्रियां, आरोग्य के नियमों की शिक्षा, प्रांतीय भाषाएं, राष्ट्रभाषा, आर्थिक समानता, किसान, मजदूर, आदिवासी, कोढ़ी और विद्यार्थी सहित 18 विषयों को रखा। पशु सुधार (गौ रक्षा), सविनय कानून-भंग और कोरेंस को भी ‘रचनात्मक कार्यक्रम : उसका रहस्य और स्थान’ में शामिल किया गया है। इस सूची को देखने से गांधी की सामाजिक दृष्टि की व्यापकता समझ में आती है। उनके लिए राष्ट्र केवल राजनीतिक संस्था नहीं था। उसमें

सुधार नहीं, बल्कि समग्र सामाजिक परिवर्तन था। रचनात्मक कार्यक्रम की एक विशेषता यह भी है कि गांधी ने इसे अंतिम या अपरिवर्तनीय सूची नहीं माना। उन्होंने इसकी प्रस्तावना में स्पष्ट किया था कि ‘इसमें शामिल किये गये विषय किसी खास सिलसिले से नहीं लिखे गये हैं; निश्चय ही उन्हें उनके महत्व के अनुसार स्थान नहीं मिला है। ‘ उन्होंने आगे कहा, ‘किसी खास विषय को, जो पूर्ण स्वराज्य, रचना की दृष्टि से अपना महत्व रखता है, इस कार्यक्रम में जगह नहीं मिली है, तो उन्हें समझ लेना चाहिए कि वह जान-बूझकर नहीं छोड़ा गया है। वे बिना हिचकिचाये उसे मेरी सूची में शामिल कर लें और मुझे बता दें। मेरी यह सूची पूर्ण होने का दावा नहीं करती; यह तो महज मिसाल के तौर पर पेश की गयी है। ‘इस कथन में गांधी के विचार की

मनन और स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नए कार्य को इसमें शामिल करने की गुंजाइश बनी रहती है। यही बात आज के संदर्भ में रचनात्मक कार्यक्रम को प्रासंगिक बनाती है। गांधी के समय जिन समस्याओं के समाधान के लिए खादी, ग्रामोद्योग, ईद तालीम या गांव की सफाई जैसे कार्यक्रम सामने आए थे, आज उनके रूप बदल सकते हैं, लेकिन उनकी मूल भावना बनी रह सकती है। स्थानीय रोजगार, स्वावलंबन, श्रम की प्रतिष्ठा, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक समता और पर्यावरण संरक्षण जैसे सवालों को आज के रचनात्मक कार्यक्रम का हिस्सा बनाया जा सकता है। गांधी का जोर इस बात पर था कि परिवर्तन बाहर से थोपा न जाए, बल्कि समाज की अपनी भागीदारी से पैदा हो। रचनात्मक कार्य इसी भागीदारी का रास्ता खोलता है। इसमें व्यक्ति केवल किसी अभियान का दर्शक

नहीं रहता, बल्कि अपने जीवन और समाज को बदलने की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाता है। आज हिंसा, द्वेष, सामाजिक अलगाव, आर्थिक असमानता, बेरोजगारी और पर्यावरणीय संकट जैसी चुनौतियां हमारे सामने हैं। ऐसे समय में रचनात्मक कार्य को केवल गांधी के समय की राजनीतिक रणनीति मानना उसके व्यापक अर्थ को सीमित करना होगा। इसका मूल संदेश आज भी यही है कि समाज को बदलने के लिए प्रतिरोध के साथ निर्माण जरूरी है। ‘रचनात्मक कार्यक्रम : उसका रहस्य और स्थान’ इस दृष्टि को समझने की महत्वपूर्ण पुस्तक है। 64 पृष्ठों की यह पुस्तक आकार में छोटी है, लेकिन गांधी के सामाजिक और राजनीतिक चिंतन को समझने के लिए उपयोगी है। गांधी विचार साहित्य व्यापक स्तर पर उपलब्ध है। उसके स्वाध्याय से रचनात्मक कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं को समझा जा सकता है। गांधी को केवल राजनीतिक स्वतंत्रता के नेता के रूप में देखना उनके विचार को अपूर्ण समझना होगा। उनका स्वराज्य व्यक्ति की स्वतंत्रता, समाज की समता, आर्थिक न्याय, श्रम की प्रतिष्ठा और अहिंसक सामाजिक व्यवस्था से जुड़ा था। रचनात्मक कार्य इन सभी को जोड़ने वाला माध्यम था। इसलिए आज गांधी के रचनात्मक कार्यक्रम को पढ़ते हुए सबसे जरूरी सवाल यह है कि हमारे समय के रचनात्मक कार्य कौन-से हों। किन कामों से समाज में स्वावलंबन बढ़ेगा, किनसे अलगाव कम होगा, किनसे अंतिम व्यक्ति की भागीदारी सुनिश्चित होगी और किनसे हिंसा के स्थान पर सहयोग की संस्कृति विकसित होगी—इन सवालों पर विचार करना गांधी के रचनात्मक चिंतन को वर्तमान से जोड़ना है।

आज का राशिफल

मेघ- अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम को कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक- 1-5-7

वृष - अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। प्रियजनों से सामगाम का अवसर मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक- 2-5-7

मिथुन - बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक- 3-6-7

कर्क - अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। वैचारिक द्वंद्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, ड़्क्षचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बर्नेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक- 4-3-6

सिंह - दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक- 4-6-9

कन्या- सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। सुख-आनंद कारक समय है। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों के चेष्टएं प्रबल होंगी। शुभांक- 3-5-6

तुला - भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना

है। पारिवारिक विवाद टालें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्यस्थ से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-2-6-7

वृश्चिक - व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उत्प्रेरक का शुरुआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

धनु - खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेंगे। शुभांक-2-4-5

मकर - मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद कायदा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेंगे। शुभांक-5-7-9

कुम्भ- शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का सामगाम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-3-6-9

मीन- स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से सामगाम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-5-6

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले में गुरुवार को दोपहर से बारिश का दौर फिर शुरू हो गया है रुक-रुक कर होने वाली इस बारिश ने मौसम को सुदृढ़ बना दिया है लेकिन अभी तक जिले में हुई बारिश सामान्य औसत से करीब 115 मिमी कम है 1 जून से 3 सितंबर 2026 तक जिले में 701.52 मिमी औसत पड़ने की दर है, जबकि सामान्य औसत 816.3 मिमी है इससे जाहिर होता है कि इस बार मानसून सामान्य से कम रहा है पिछले साल की तुलना में भी इस बार बारिश आधी से भी कम हुई है 3 सितंबर 2025 तक जिले में 1323.48 मिमी पड़ चुकी है और पूरे मानसून सीजन में कुल 1585.86 मिमी बारिश दर्ज की गई थी भू-अभिलेख विभाग के अनुसार, जिले में तहसीलवार बारिश के आंकड़ों में करीरा सबसे अधिक 787.50 मिमी और बैरह सबसे कम 597 मिमी बारिश हुई है जिले के अन्य इलाकों में पोहरा में 652 मिमी, नरवर में 717 मिमी, पिछौरा में 774 मिमी, कोलास में 613 मिमी, बदरवास में 781.50 मिमी और खनियाधाणा में 713.50 मिमी बारिश दर्ज की गई है। भाषिय में अच्छी बारिश की उम्मीद जताई जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

छतरपुर में 24 घंटे में 585 मिमी बारिश दर्ज



मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले में लगातार बारिश का दौर जारी है। पिछले 24 घंटे में जिले में कुल 585.2 मिमी बारिश दर्ज की गई है। इसमें राजनगर में सबसे ज्यादा 195.2 मिमी पानी गिरा। 1 जून से 3 सितंबर तक जिले में सीजन की कुल बारिश 6574.2 मिमी दर्ज हो चुकी है। लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित है और कई इलाकों में नदी-नाले उफान पर हैं।

सामान्य बारिश का 76.5 प्रतिशत आंकड़ा पूरा: जिले की सामान्य औसत वार्षिक वर्षा 1074.9 मिमी है। इसके मुकाबले अब तक करीब 76.5 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। मानसून के अभी और सक्रिय रहने पर सामान्य वार्षिक बारिश का आंकड़ा पार होने की संभावना है। सभी विकासखंडों का औसत 821.8 मिमी यानी 32.4 इंच बारिश दर्ज की गई है।

गौरिहार में सबसे ज्यादा सीजनल बारिश: इस सीजन में अब तक सबसे ज्यादा बारिश गौरिहार में 1098.6 मिमी दर्ज की गई है। इसके बाद बड़ामलहरा में 1009.6 मिमी और लवकुशनगर में 972.0 मिमी बारिश हुई है।

3 सितंबर को कहां कितनी बारिश हुई: 3 सितंबर को राजनगर में 195.2 मिमी, नौगांव में 87.8 मिमी, लवकुशनगर में 85.0 मिमी, छतरपुर में 67.0 मिमी, बिजावर में 55.0 मिमी, बड़ामलहरा में 42.0 मिमी, गौरिहार में 39.0 मिमी और बक्सवाहा में 14.2 मिमी बारिश दर्ज की गई।

नदी-नाले उफान पर, जलभराव से लोग परेशान: लगातार बारिश के कारण जिले के नदी-नाले उफान पर हैं। कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। बारिश के चलते लोग घरों में दुकचे हुए हैं और बाजारों में भी सन्नाटा पसरा है। प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों और जलभराव वाले इलाकों से दूर रहने की अपील की है।

बुरहानपुर में बदला मौसम, कई इलाकों में बारिश



मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले में लंबे अंतराल के बाद बुधवार को मौसम बदला और बारिश हुई। शहर के कुछ इलाकों में पानी बरसा, जबकि कुछ क्षेत्र सूखे रहे। सिंधीपुरा और आजाद नगर में बारिश हुई, वहीं शनवारा और सिंधी बस्ती में बारिश नहीं हुई। नेपालनगर में बुधवार शाम करीब 4 बजे अचानक मौसम बदला। कुछ देर तेज बारिश हुई, इसके बाद हल्की बूंदबूंदी होती रही। बारिश के बाद मौसम में उठक आ गई।

डिाधियाखेड़ा में आधे घंटे तक तेज बारिश: डिाधियाखेड़ा में शाम करीब 5 बजे तेज बारिश हुई। यहां करीब आधे घंटे तक बारिश होती रही। पिछले 10 दिनों से ज्यादा समय से बारिश नहीं हुई थी। इस दौरान अधिकतम तापमान 31 से 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान करीब 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। बारिश के बाद मौसम में उठक महसूस हुई।

बलराम जयंती के अवसर पर प्राकृतिक खेती उत्पाद सह संवाद कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, हरदा (निप्र)। बलराम जयंती के अवसर पर उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास, जिला हरदा द्वारा जैविक एवं प्राकृतिक हॉट बाजार तथा प्राकृतिक खेती के उत्पाद सह संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राकृतिक एवं जैविक खेती करने वाले 6 कृषकों द्वारा अपने उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया गया। हॉट बाजार में 52 विजिटर/कस्टमर्स ने सहभागिता कर प्राकृतिक एवं जैविक उत्पादों की जानकारी प्राप्त की तथा उत्पादों की खरीदी की। कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा भी सहभागिता की गई।उप संचालक कृषि श्री प्रकाश ठकुर ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य जिले में प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देना, कृषकों को उनके उत्पादों के लिए बेहतर बाजार एवं उपभोक्ता मांग से संबंधित विषयों पर संवाद भी किया गया।

जमीन विवाद में तलवार व सरिये से हमला

7 साल बाद कोर्ट का फैसला, 5 आरोपियों को 7-7 साल की सजा; दो पत्नियों के कारण हुआ था विवाद

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम में जमीन विवाद में तलवार, लोहे के सरिए और लाठियों से हमला करने के करीब सात साल पुराने मामले में कोर्ट ने पांच आरोपियों को दोषी ठहराते हुए 5-5 साल के कारावास की सजा सुनाई है। सप्तम अपर सत्र न्यायाधीश रतलाम राजेश नामदेव की अदालत ने माना कि आरोपियों ने एकजुट होकर घायलों पर हमला किया था। घटना में इस्तेमाल तलवार और लोहे के सरिए को न्यायालय ने घातक हथियार माना।

घर के बाहर घेकर किया था हमला: अपर लोक अभियोजक एवं शासकीय अधिकृता समर्थ पाटीदार ने बताया कि 23 अक्टूबर 2019 की सुबह बिलपांक थाना क्षेत्र के ग्राम कुड़ीपाड़ा में भूमि विवाद को लेकर आरोपियों ने धूलीबाई के घर के बाहर उसकी बेटी



सुभद्रा और दामाद नरसींग के साथ मारपीट की थी। आरोपी बाबू भाषर ने तलवार से नरसींग के सिर पर वार किया था। अन्य आरोपियों ने लोहे के सरिए और लाठियों से दोनों पर हमला किया। धूलीबाई बीच-बचाव करने पहुंची तो उसके साथ भी मारपीट की गई। आरोपियों ने

जमीन नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी थी। सिर में गंभीर चोट, अहमदाबाद में हुआ ऑपरेशन हमले में नरसींग के सिर में गंभीर चोट आई थी। हालत गंभीर होने पर उसे सिविल अस्पताल अहमदाबाद रेफर किया गया, जहां ऑपरेशन कर सिर से ट्यूमर निकाला गया

था। पुलिस ने घटनास्थल से खून लगा टॉवेल और बिस्तर जन्त किए थे। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद उनकी निशानदेही पर तलवार और लोहे का सरिया भी बरामद किया गया।

14 बीघा जमीन को लेकर था विवाद: मामला

सोना के नाम दर्ज करीब 14 बीघा जमीन को लेकर था। फरियादी धूलीबाई सोना की दूसरी पत्नी थी, जबकि पांचों आरोपी उसकी पहली पत्नी लीलाबाई के रिश्तेदार बताए गए हैं। जमीन को हांकने और ब्रोने को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा था।

● प्रत्यक्षदर्शियों की गवाही और मेडिकल रिपोर्ट अहम:

कोर्ट ने फरियादी धूलीबाई, घायल नरसींग, घायल सुभद्रा और प्रत्यक्षदर्शी संघा खोडियार के बयानों को विश्वसनीय माना। घायलों की मेडिकल रिपोर्ट और घटनास्थल से बरामद साक्ष्यों को भी अभियोजन के पक्ष में महत्वपूर्ण माना गया।

● इन आरोपियों को मिली सजा:

कोर्ट ने बाबू पिता गिरधारी भाषर (55), नानालाल उर्फ नानजी पिता वागुजी देवदा (45), चम्पालाल पिता नानुराम भूरिया (45), राधेश्याम पिता नानुराम भूरिया (36) और देवराम पिता नगजी मईड़ा (63) को दोषसिद्ध करते हुए 5-5 साल की सजा सुनाई है।

खंडवा में घर के पीछे गांजे की खेती

पुलिस ने 152 पौधे उखाड़े, 68 हजार रुपए कीमत का 17.2 किलो माल जब्त



मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत खालवा पुलिस ने अड़ाखेड़ा गांव में गांजे की खेती का मामला पकड़ा है। पुलिस ने एक व्यक्ति के घर के पीछे बने बाड़े से गांजे के 152 हरे पौधे जब्त किए हैं। इनका कुल वजन 17 किलो 200 ग्राम है।

पुलिस के अनुसार, जब्त पौधों की अनुमानित कीमत करीब 68 हजार रुपए है। मामले में आरोपी दादू पिता डायलु कोलकर, निवासी अड़ाखेड़ा के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत केस दर्ज किया गया है। टीआई अनुपमसिंह के अनुसार, 2 सितंबर को पुलिस को सूचना मिली थी कि अड़ाखेड़ा गांव में

एक व्यक्ति ने घर के पीछे बने बाड़े में गांजे के पौधे लगा रखे हैं। सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को देने के बाद पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया।

बाड़े में मिले 152 पौधे: पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर पहुंचकर तलाशी ली। इस दौरान बाड़े में गांजे के पौधे लगे मिले। पुलिस ने मौके से 152 हरे पौधे जब्त किए। इनका वजन 17 किलो 200 ग्राम पाया गया। पुलिस ने इनकी कीमत करीब 68 हजार रुपए बताई है।

● एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज:

पुलिस ने पौधों को जब्त करने के बाद दादू पिता डायलु कोलकर के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि पौधे कब और किस उद्देश्य से लगाए गए थे और इनका इस्तेमाल या सफाई कहाँ किया जाना था। एसपी अगम जैन ने बताया कि जिले में मादक पदार्थों की अवैध बिक्री, परिवहन और खेती के खिलाफ अभियान जारी है। अधिकारियों को ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

सागर में करंट लगने से युवक की मौत

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)।

सागर में देवरी थाना क्षेत्र के ग्राम बीना बाहर में बुधवार शाम घर में पंखा लगाने के दौरान करंट लगने से 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना के समय युवक घर में अकेला था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। शव देवरी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। गुरुवार को पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा। जानकारी के अनुसार, छीर निवासी नरबदी पिता भगवानदास पटेल ग्राम बीना में सिकमी के खेत की रखवाली के लिए रहता था। बुधवार शाम वह घर में नया पंखा लगाने के लिए उसकी टेरिंग कर रहा था। इसी दौरान उसे करंट लग गया और वह बेहोश होकर गिर पड़ा।

फोन नहीं उठाया तो साथी पहुंचा घर: नरबदी के साथी महेंद्र पटेल ने बताया कि उन्होंने कई बार उसे फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। संदिह होने पर उन्होंने मौके पर जाकर देखा तो नरबदी घर में बेहोश पड़ा था। इसके बाद उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगा कारण: घटना की सूचना मिलने पर देवरी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया है। गुरुवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस के अनुसार पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण की स्थिति स्पष्ट होगी। फिलहाल मामले की जांच जारी है।



नर्मदापुरम में बारिश का रेड अलर्ट

4 इंच से ज्यादा पानी गिरने की संभावना, अबतक 27 इंच बारिश

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में गुरुवार को मौसम विभाग ने भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। अगले 24 घंटे में 3 से 4 इंच से ज्यादा बारिश होने की संभावना जताई गई है। सुबह से ही आसमान में घने काले बादल छापे हुए हैं। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक जिले में बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान जताया है। मौसमविद एचएस पांडे के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ होते हुए मध्यप्रदेश की ओर बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से 2 से 5 सितंबर तक जिले में बारिश का सिलसिला बना रह सकता है। 3 सितंबर को अधिकांश स्थानों पर बारिश की



संभावना है, जबकि इसके बाद कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

सामान्य से 18 इंच कम बारिश: जिले में 1 जून से 3 सितंबर तक औसतन करीब 27 इंच बारिश दर्ज हुई है। पिछले

साल इसी अवधि में 45.22 इंच बारिश हुई थी। इस तरह इस बार पिछले साल की तुलना में करीब 18.24 इंच कम बारिश दर्ज की गई है।

बरगी डैम के 5 गेट खुलेंगे, नर्मदा का जलस्तर

बीना में रीमॉडलिंग: 15 अक्टूबर तक ट्रेनें रहेंगी प्रभावित

श्रीधाम, भोपाल-ग्वालियर इंटरसिटी समेत कई गाड़ियां रद्द

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। भोपाल-दिल्ली और कटनी रेल मार्ग पर यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी होगी। पश्चिम मध्य रेलवे के बीना स्टेशन और उत्तर मध्य रेलवे के आगासौद स्टेशन के बीच तीसरी रेल लाइन जोड़ने के लिए याई रीमॉडलिंग का काम किया जा रहा है। यह काम 1 सितंबर से 15 अक्टूबर तक चलेगा। इस प्री-नॉनइंटरलॉकिंग और नॉनइंटरलॉकिंग काम के कारण रेलवे ने कई प्रमुख ट्रेनों को रद्द, शॉर्ट टर्मिनेट और डायवर्ट किया है। इनमें कई प्रमुख ट्रेनें पूरी तरह रहेंगी। जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन श्रीधाम एक्सप्रेस (12192/12191) 26 सितंबर से 14 अक्टूबर तक (जबलपुर से) और 27 सितंबर से 15 अक्टूबर तक (निजामुद्दीन से) रद्द



रहेगी। भोपाल-ग्वालियर इंटरसिटी (12197/12198) 1 से 15 अक्टूबर तक दोनों तरफ से रद्द रहेगी। भोपाल-दमोह राज्यरानी एक्सप्रेस (22161/22162) 9 से 15 अक्टूबर तक (भोपाल से) और 10 से 16 अक्टूबर तक (दमोह से) नहीं चलेगी। साप्ताहिक ट्रेनों में ग्वालियर-एसएमवीटी बेंगलुरु एक्सप्रेस (2 व 9 अक्टूबर), बेंगलुरु-ग्वालियर (4 व 11 अक्टूबर), रानी कमलापति-संतरागाछी हमसफर (14-15 अक्टूबर)

और भोपाल-खजुराहो महामना (15 अक्टूबर) रद्द रहेंगी। बीना-ललितपुर, बीना-कटनी मुड़वारा और बीना-रुडियाई मेमू ट्रेनें भी 20 सितंबर से 16 अक्टूबर के बीच अलग-अलग तारीखों में रद्द रहेंगी। कुछ ट्रेनें अपने तय स्टेशन तक नहीं जाएंगी या बीच रास्ते से ही चलेगीं। भोपाल-दिल्ली शताब्दी (12001/12002) 15 अक्टूबर को रानी कमलापति स्टेशन आने के बजाय ललितपुर में ही खतम होगी और वहीं से दिल्ली के लिए रवाना होगी। बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस (18235/18236) 6 से 15 अक्टूबर तक भोपाल के बजाय बीना मालखेड़ी तक ही चलेगी। कटनी-बीना मेमू खुर्द, कोटा-बीना मेमू मुणाबेली/महादेवखेड़ी और भोपाल-बीना मेमू

मंडीबमौरा स्टेशन पर ही शॉर्ट टर्मिनेट या ओरिजिनेट होगी। कुछ ट्रेनों का रूट भी बदला गया है। र व ा ि ल य र - ब री न ा (51884/51883) और बीना-दमोह (51885/51886) गाड़ियां बीना स्टेशन के बजाय फलाईओवर से सीधे मालखेड़ी तक चलेगीं। नागदा-बीना एक्सप्रेस (19341/19342) को 20 सितंबर से 16 अक्टूबर तक कटनी मुड़वारा तक बढ़ाया गया है। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि यदि वे सितंबर या अक्टूबर में बीना रूट पर यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो घर से निकलने से पहले 139 पर अपनी ट्रेन का स्टेटस, ठहराव और स्टेशन जरूर चेक कर लें।

कॉलेज ग्राउंड में 7 फीट लंबा सांप निकला

टाइल्स के नीचे छिपा था इंडियन रैट स्नेक; वन विभाग की टीम ने सुरक्षित जंगल में छोड़ा



विषहीन होता है इंडियन रैट स्नेक: विशेषज्ञों के मुताबिक इंडियन रैट स्नेक विषहीन प्रजाति का सांप है। यह मुख्य रूप से चूहों का शिकार करता है और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। रेस्क्यू के बाद सांप को उसके प्राकृतिक आवास के अनुकूल सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया।

सांप दिखे तो विशेषज्ञों को सूचना दें : कॉलेज परिसर में सांप मिलने की खबर के बाद लोगों ने उत्सुकता के साथ दहशत भी रही। सर्प मित्रों ने अपील की कि सांप दिखाई देने पर उसे मारने या खुद पकड़ने की कोशिश न करें। तुरंत वन विभाग या प्रशिक्षित सर्प विशेषज्ञों को सूचना दें।

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी के शासकीय एमजीएम कॉलेज परिसर में गुरुवार को करीब 7 फीट लंबा सांप मिलने से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। सांप कॉलेज ग्राउंड में एक पेड़ के पास रखी टाइल्स के नीचे छिपा था। कॉलेज के मनीष चौरे ने इसकी सूचना वन विभाग को दी।

सर्प मित्रों ने किया सुरक्षित रेस्क्यू: वन परिक्षेत्र अधिकारी अभिषेक शर्मा के निर्देश पर सर्प मित्र अभय चौरे और मोहित मेहरा मौके पर पहुंचे। अभिजीत यादव के मार्गदर्शन में टीम ने सावधानी से टाइल्स हटाकर सांप को बाहर निकाला। रेस्क्यू किया गया सांप करीब 7 फीट लंबा इंडियन रैट स्नेक यानी घोड़ा पछड़ा था।

भारत-ब्राजील फुटबॉल मैत्री मैच को लेकर भारी उत्साह

टिकटों की बिक्री को लेकर जबरदस्त प्रतिक्रिया



कोलकाता,एजेसी। : फुटबॉल के प्रति जुनून के लिए मशहूर कोलकाता के प्रशंसकों ने अगले महीने होने वाले बहुप्रतीक्षित भारत-ब्राजील मैत्री मैच के लिए बुधवार को ऑनलाइन टिकट बिक्री शुरू होते ही जबरदस्त उत्साह दिखाया। इस मुकाबले के कम कीमत वाले टिकट ऑनलाइन बिक्री शुरू होने के एक घंटे के

भीतर ही बिक गए। भारत तीन अक्टूबर को पांच बार के विश्व चैंपियन ब्राजील से भिड़ेगा। खेल और खासकर ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के प्रति जुनूनी इस शहर में मुकाबले को लेकर फुटबॉल का रोमांच पहले ही चरम पर पहुंचने लगा है। टिकटों की कीमत 999 रुपये से लेकर 15,000 रुपये तक है। बुधवार को कुल कितने

टिकट बिक्री के लिए उपलब्ध कराए गए इसका तत्काल पता नहीं चल सका। हालांकि विवेकानंद युवा भारती क्रीडांगण (VYBK) में होने वाले इस मुकाबले के लिए 'डिस्ट्रिक्ट' पर ऑनलाइन बिक्री शुरू होने के एक घंटे के भीतर ही कम कीमत वाले टिकट बिक गए। टिकटों की कीमत 999 रुपए, दो हजार रुपए, ढाई हजार रुपए, साढ़े

तीन हजार रुपए, साढ़े चार हजार रुपए, छह हजार रुपए, 7 हजार रुपए, 9 हजार रुपए और बीआईपी सीटों के लिए 15 हजार रुपए रखी गई है।

VYBK की दर्शक क्षमता करीब 67,000 है और उम्मीद है कि इनमें से 70 प्रतिशत सीटों के टिकट बिक्री के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। भारतीय टीम इस हाई प्रोफाइल मैत्री श्रृंखला में पनामा और दो बार के विश्व चैंपियन उरुग्वे से भी भिड़ेगी। भारत 26 सितंबर को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में पनामा की मेजबानी करेगा। इसके बाद टीम कोलकाता पहुंचेगी जहां तीन अक्टूबर को ब्राजील और फिर छह अक्टूबर को उरुग्वे का सामना करेगी। ब्राजील के खिलाफ मुकाबले के टिकट केवल ऑनलाइन बिक्री के लिए उपलब्ध कराए गए हैं और काउंटर से टिकट नहीं मिलेंगे।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (AIFF) इस बार भौतिक टिकट जारी नहीं करेगा। सभी पास डिजिटल प्रारूप में दिए जाएंगे जैसा फीफा विश्व कप के दौरान किया गया था। भारत के मुख्य कोच खालिद जमील ने फीफा मैत्री मुकाबलों के लिए 26 सदस्यीय टीम की घोषणा पहले ही कर दी है। राष्ट्रीय शिविर 14 सितंबर से बेंगलुरु में शुरू होगा। पनामा के खिलाफ मुकाबले के दो दिन बाद 28 सितंबर को टीम कोलकाता रवाना होगी। तीनों

रोहित शर्मा के ‘रिटायरमेंट’ को लेकर बड़ा दावा

● भारतीय ओनपर भी हो गए थे सहमत



नई दिल्ली ,एजेसी। : गुरुवार को BCCI की बैठक में रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा के भविष्य पर चर्चा होगी, क्योंकि भारत ने 2027 ह्यूडू वर्ल्ड कप की तैयारी शुरू कर दी है। रोहित के उलट, विराट और जडेजा पर अभी कोई खास दबाव नहीं है। ब्रह्मदू की रिपोर्ट के अनुसार ऐसी चर्चा है कि सिलेक्शन कमेटी के चेयरमैन अजीत अगरकर के बजाय कमेटी के एक सदस्य ने रोहित को बताया था कि पैनल ने आगे बढ़ने (उन्हें टीम से हटाने) का फैसला किया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि हालांकि रोहित नाराज थे, लेकिन ऐसी चर्चा थी कि वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद रिटायर होने के लिए सहमत हो गए थे। हालांकि, लॉर्ड्स में आखिरी वनडे में शानदार 138 रन बनाने के बाद फिलहाल उनके रिटायरमेंट की संभावना खत्म हो गई। इस बीच दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जोटी रोड्स ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने टूर्नामेंट में 'हिटमैन' (रोहित) के अनुभव और विराट की उस भूख का जिक्र किया जो उन्हें एक 'बेहतरीन फिनिशर' बनाती है। खेल के इतिहास के सबसे बेहतरीन फील्डर्स से से एक जोटी ने यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (श्रद्धांजलि) के पहले सीजन में रॉटरडैम डॉक्स के को-ओनर के तौर पर एक 'हैंड भूमिका संभाली है।

टेस्ट सीरीज के लिए BCCI ने 5 तेज गेंदबाजों को किया शॉर्टलिस्ट

शमी-नबी को नहीं मिली जगह



नई दिल्ली ,एजेसी। भारत के आगामी न्यूजीलैंड दौरे पर होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज को लेकर BCCI ने तेज गेंदबाजी विकल्पों पर काम शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, टीम मैनेजमेंट ने न्यूजीलैंड की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पांच तेज गेंदबाजों को अपनी योजना में रखा है। हालांकि, अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज ओफिब नबी का नाम इस शॉर्टलिस्ट में नहीं बताया गया है।

22 अक्टूबर से 1 दिसंबर तक न्यूजीलैंड दौरा भारत का न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से 1 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान दोनों टीमों के बीच पांच टी20 इंटरनेशनल, पांच वनडे और दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे। टेस्ट सीरीज भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगी, क्योंकि यह WTC 2025-27 चक्र में शीर्ष दो स्थानों पर रहने और 2027 में द ओवल में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाने की भारत की कोशिश का अहम हिस्सा है।

● BCCI की नजर इन 5 तेज गेंदबाजों पर

रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय टीम मैनेजमेंट ने न्यूजीलैंड में तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी के लिए इन पांच खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया है:

- जसप्रीत बुनराज
- मोहम्मद सिराज
- प्रसिद्ध कृष्णा
- गुरनूर बराड़
- आकाश दीप

हालांकि, इन सभी की उपलब्धता और फिटनेस को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है।

● शमी की वापसी पर सस्पेंस बरकरार

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी कथित तौर पर चयनकर्ताओं की मौजूदा योजना का हिस्सा नहीं हैं। शमी ने 64 टेस्ट मैचों में 229 विकेट लिए हैं। न्यूजीलैंड में भी उनका रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है, जहां उन्होंने पिछली चार टेस्ट पारियों में 15 विकेट अपने नाम किए हैं। इसके बावजूद रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूजीलैंड सीरीज के लिए तैयार की गई शॉर्टलिस्ट में शमी का नाम नहीं है। ओफिब नबी को भी नहीं मिली जगह जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज ओफिब नबी दर को

रिकॉर्ड छटे खिताब के लिए उतरेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

मोकी (चीन),एजेसी। :

एचएफ जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय अंडर-21 पुरुष टीम रिकॉर्ड छठा महाद्वीपीय खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी। भारतीय पुरुष टीम इस प्रतियोगिता की पिछली तीन बार की चैंपियन है और अब तक पांच बार खिताब जीत चुकी है। वहीं भारतीय महिला टीम भी लगातार तीसरी टूर्नाफी अपने नाम करने के लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरेगी। महिला टीम पिछले दो संस्करणों की चैंपियन है।

शिलेमा चानू संभालेंगी महिला टीम की कप्तानी-महिला टीम की कप्तान मिडफील्डर खैदेम शिलेमा चानू के हाथों में है। इस साल की शुरुआत में मुख्य कोच का पद संभालने वाले टिम व्हाइट की देखरेख में टीम ने टूर्नामेंट के लिए कड़ी तैयारी की है। तैयारी के तहत भारतीय टीम



ने ब्रिटेन का दौरा भी किया, जहां उसने स्कॉटलैंड की सीनियर महिला टीम के अलावा अमेरिका अंडर-21, इंग्लैंड अंडर-21 और बेल्जियम अंडर-21 टीमों के खिलाफ मुकाबले खेले।

दक्षिण कोरिया के खिलाफ अभियान की शुरुआत- एलीट पूल में

शामिल भारतीय महिला टीम 5 सितंबर को दक्षिण कोरिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद भारत का सामना:

- 6 सितंबर: मलेशिया
- 8 सितंबर: जापान
- 9 सितंबर: मेजबान चीन से होगा।

ODI World Cup 2027 को लेकर BCCI की बड़ी बैठक

रोहित-कोहली-जडेजा के भविष्य पर होगा फैसला



मुंबई,एजेसी। भारतीय क्रिकेट टीम के अगले ह्यूडू वर्ल्ड कप अभियान की तैयारियों को लेकर ब्रह्मदू की आज मुंबई स्थित मुख्यालय में अहम समीक्षा बैठक होने जा रही है। इस बैठक में टीम के प्रदर्शन, चयन और भविष्य की रणनीति के साथ-साथ रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा की वनडे टीम में भूमिका पर भी चर्चा होगी।

बैठक का सबसे बड़ा मुद्दा रोहित शर्मा का ह्यूडू भविष्य माना जा रहा है। वहीं, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा की टीम में जगह फिलहाल मजबूत मानी जा रही है। हालांकि,

आगामी वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते

हुए तीनों खिलाड़ियों की भूमिका और उपलब्धता पर विस्तृत चर्चा होगी।

कौन-कौन बैठक में होगा शामिल- BCCI की इस हाई-लेवल समीक्षा बैठक में भारतीय क्रिकेट से जुड़े कई बड़े अधिकारी और टीम के प्रमुख सदस्य हिसा लेंगे। इसमें कप्तान शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, मुख्य कोच गौतम गंभीर, चीफ सैलेक्टर अजीत अगरकर और ब्रह्मदू सचिव देवजीत सैकिया शामिल हैं। बैठक में ज्यादातर सदस्य व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहेंगे, जबकि श्रेयस अय्यर के वचुअली जुड़ने की उम्मीद है।

इस बैठक का उद्देश्य हाल के दौरों में भारतीय टीम के प्रदर्शन की समीक्षा

करने के साथ-साथ अगले ह्यूडू वर्ल्ड कप के लिए रणनीतिक रोडमैप तैयार करना है।

आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के प्रदर्शन पर भी नजर- भारतीय टीम के हालिया प्रदर्शन ने ब्रह्मदू की चिंता बढ़ाई है। समीक्षा बैठक में आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के प्रदर्शन पर खास तौर पर चर्चा होगी। भारत को आयरलैंड में ब्र20हू सीरीज में 2-0 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर टीम को 4-0 से करारी हार झेलनी पड़ी। नॉटिंगम में भारत का महज 125 रन पर ढेर होना हालिया दौर की सबसे खराब घटनाओं में से एक माना गया।

बद्रीनाथ ने धोनी ने CSK में इम्पैक्ट प्लेयर के किया खुलासा, तौर पर साफ कर दिया था अपना रुख

नई दिल्ली ,एजेसी। चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के पूर्व

बल्लेबाज एस बद्रीनाथ ने खुलासा किया है कि महेंद्र सिंह धोनी खुद को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान पर उतरते हुए नहीं देखते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम के पूर्व कप्तान ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 सीजन से पहले अपनी भूमिका को लेकर उठ रहे सवालों के बावजूद फुल-टाइम विकेटकीपर के तौर पर खेला जारी रखने की अपनी इच्छा व्यक्तिगत रूप से बताई है। एक और सीजन में प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रहने के बाद हृष्य के लिए धोनी का भविष्य और उनकी संभावित भूमिका चर्चा का मुख्य विषय बन गए हैं। उनके शारीरिक वर्कलोड (काम के बोझ) को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं, और बद्रीनाथ का कहना है कि धोनी का चुनिंदा मैचों में इस्तेमाल करने से पांच बार की चैंपियन टीम को रणनीतिक फायदा हो सकता है, हालांकि अनुभवी विकेटकीपर ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है।

ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'उन्होंने व्यक्तिगत रूप से मुझसे कहा है कि वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर नहीं खेलेंगे। वह खुद को फुल-टाइम कीपर के तौर पर देखते हैं और इसका मतलब है कि उन्हें पूरे 20 ओवर तक मैदान



पर रहना होगा। इसलिए वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर नहीं खेलेंगे लेकिन मुझे लगता है कि अगर वह ऐसा करते हैं, तो इससे हृष्य को रणनीतिक फायदा होगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'उनका शरीर लंबे समय तक खेलने का दबाव नहीं झेल सकता, जैसा कि प्लेसिंग ने भी कहा है। वह केवल 16वें ओवर के बाद बल्लेबाजी करने और विकेटकीपिंग करने वाले हैं। जब उनकी भागीदारी इतनी कम है, तो वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर आदर्श रहेंगे।'

CSK के पूर्व खिलाड़ी ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लेकर चल रही व्यापक बहस पर भी अपनी राय रखी, खासकर इस नियम का शिवम दुबे के लिए एक गेंदबाज के तौर पर मिलने वाले मौकों पर क्या असर पड़ता है, इस पर बात की। बद्रीनाथ ने इस बात

● पुरुष टीम की कप्तानी अनमोल एक्का के हाथों में- भारतीय पुरुष टीम की कप्तान डिफेंडर अनमोल एक्का संभालेंगे। टीम के नवनिर्वात कोच फ्रेडरिक सोयेज भी अपने कार्यकाल की शुरुआत जीत के साथ करना चाहेंगे। भारतीय पुरुष टीम ने भी टूर्नामेंट से पहले अच्छी तैयारी की है। टीम ने बेल्जियम का दौरा किया, जहां उसने ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड की अंडर-21 टीमों के खिलाफ मुकाबले खेले।

● मलेशिया और चीन के खिलाफ भी की तैयारी- बेल्जियम दौरे के अलावा भारतीय टीम ने बेंगलुरु में मलेशिया की अंडर-21 टीम के खिलाफ मैत्री मैचों की सीरीज खेली। इसके बाद टीम ने चीन के डालियान में मेजबान टीम के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज भी खेली।

3 'किसी ने पूरा सिस्टम बर्बाद कर दिया', टीम में उथल-पुथल के बीच पाकिस्तानी स्पिनर का रहस्यमयी पोस्ट वायरल

नई दिल्ली ,एजेसी। हाल के दिनों में पाकिस्तान क्रिकेट गलत वजहों से सुर्खियों में रहा है क्योंकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने इंग्लैंड के मौजूदा टेस्ट दौर से सात खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को हटा दिया है। इस कदम की विशेषज्ञों और प्रशंसकों ने कड़ी आलोचना की है, आलोचकों में पाकिस्तान के दिग्गज क्रिकेटर रमीज राजा और टीम के पूर्व कोच मिकी आर्थर भी

शामिल हैं। इस आलोचना के बीच पाकिस्तान के स्पिनर उसामा मीर ने देश में क्रिकेट के पतन पर तंज कसते हुए कहा है कि असली दोषी पर किसी का ध्यान नहीं गया।

मीर ने जू पर एक पोस्ट में लिखा, 'हैरानी की बात है कि किसी ने पूरा सिस्टम बर्बाद कर दिया और किसी को पता भी नहीं चला।' इसके बाद मीर ने अपनी बात कहने के लिए एक आम स्थानीय कहावत का इस्तेमाल



किया। उन्होंने लिखा, 'अब पछताए क्या होत जब चिड़िया चुग गई खेत (अब पछताने का कोई फायदा नहीं, क्योंकि नुकसान हो चुका है)।' हालांकि मीर ने अपने रहस्यमयी पोस्ट में किसी खास व्यक्ति का जिक्र नहीं किया और यह भी साफ नहीं किया कि वह किसकी बात कर रहे हैं।

लेग-स्पिनर मीर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में पाकिस्तान के लिए 12 वनडे और

पांच ब्र20हू मैच खेले हैं। वह आखिरी बार दो साल से भी पहले, जनवरी 2024 में खेले थे। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ ने इंग्लैंड के मौजूदा टेस्ट दौर के दौरान किए गए बड़े बदलावों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह कदम प्रदर्शन के आधार पर नहीं, बल्कि 'आंतरिक उथल-पुथल और मतभेदों के पुराने चक्र' को दर्शाता है।

दो साल में ही 55 लाख का जरियारी पुल क्षतिग्रस्त, सड़क भी धंसी, कलेक्टर-एसपी ने किया निरीक्षण, तकनीकी जांच कमेटी गठित



मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। लगातार हो रही बारिश के बीच मैहर जिले में जरियारी-नादन मार्ग पर करीब 55 लाख रुपए की लागत से निर्मित पुल के क्षतिग्रस्त होने का मामला सामने आया है पुल का एक हिस्सा बीच से टूट गया है, जबकि उससे जुड़ी सड़क भी धंस गई है पुल की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने एहतियात के तौर पर यहां से वाहनों और लोगों की आवाजाही पूरी तरह बंद कर दी है पुल के निर्माण को अभी करीब दो वर्ष ही हुए हैं, ऐसे में इतनी कम अवधि में इसके क्षतिग्रस्त होने को लेकर निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैंजानकारी के अनुसार जरियारी-

नादन मार्ग पर स्थित इस पुल का निर्माण नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा कराया गया था पुल का निर्माण मार्च 2024 में पूरा हुआ था और निर्माण एजेंसी फ्लोदी बताई गई है लगातार बारिश के बीच पुल के क्षतिग्रस्त होने की जानकारी सामने आने के बाद प्रशासन ने तत्काल सुरक्षा के इंतजाम किए।

कलेक्टर-एसपी ने मौके पर पहुंचकर लिया जायजा: पुल क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिलने के बाद गुरूवार को मैहर कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी और पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे दोनों अधिकारियों ने मैहर तहसील के ग्राम बुढेऊआ-जरियारी



मार्ग पर नहर किनारे बने पुल का निरीक्षण किया इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पुल की स्थिति का जायजा लिया और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक निर्देश दिए कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि क्षतिग्रस्त पुल पर किसी भी तरह की आवाजाही नहीं होनी चाहिए इसके लिए पुल के दोनों ओर बैरिकेडिंग कर रस्ता पूरी तरह बंद रखने के निर्देश दिए गए कलेक्टर ने स्थानीय लोगों से अपील की कि वे

क्षतिग्रस्त पुल का उपयोग बिल्कुल न करें और प्रशासन द्वारा निर्धारित वैकल्पिक मार्ग से ही आवागमन करें उन्होंने वैकल्पिक मार्ग की स्थिति का भी जायजा लिया तथा उसके रखरखाव और आवागमन के लिए उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए प्रशासन का कहना है कि क्षतिग्रस्त पुल से आवागमन जारी रहने पर दुर्घटना की आशंका बनी रह सकती है इसलिए लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए फिलहाल पुन पर आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित

रखी गई है। कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने बताया कि जरियारी-नादन मार्ग पर बना पुल धंस गया है किसी भी प्रकार की दुर्घटना और जान-माल के नुकसान को रोकने के लिए पुल पर बैरिकेड लगाकर आवागमन बंद कराया गया है उन्होंने बताया कि पुल के क्षतिग्रस्त होने के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए तकनीकी जांच कमेटी गठित की गई है जांच कमेटी पुल के निर्माण, संरचना और क्षति के कारणों की तकनीकी स्तर पर जांच कर अपनी रिपोर्ट प्रशासन को सौंपेगी रिपोर्ट में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी करीब 55 लाख रुपए की लागत से बने पुल के दो साल के भीतर क्षतिग्रस्त होने से निर्माण की गुणवत्ता और निर्गारनी व्यवस्था पर उठ रहे सवालों का जवाब तकनीकी जांच रिपोर्ट से मिलने की उम्मीद है फिलहाल प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए क्षतिग्रस्त पुल से दूरी बनाए रखें और केवल सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग का ही इस्तेमाल करें।

चित्रकूट में बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे चंद्रकमल त्रिपाठी दादू, मिचकुरिन कोलान में बांटी खाद्यान्न सामग्री

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश, अतिवृष्टि और बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए वरिष्ठ भाजपा नेता एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चंद्रकमल त्रिपाठी 'दादू' लगातार पीड़ितों के बीच पहुंच रहे हैं इसी क्रम में गुरूवार को उन्होंने मझगांव क्षेत्र की मिचकुरिन कोलान आदिवासी बस्ती का दौरा किया और बाढ़ व अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों को आवश्यक खाद्यान्न सामग्री वितरित की चंद्रकमल त्रिपाठी ने बस्ती में घर-घर पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को समझें उन्होंने कहा कि केवल राहत सामग्री वितरित करना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि पीड़ितों की जरूरतों को प्रशासन तक पहुंचाकर उन्हें समय पर सहायता दिलाना भी जरूरी है।



आपदा के समय समाज के सक्षम लोगों, जनप्रतिनिधियों और जिम्मेदार नागरिकों का दायित्व है कि वे प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचें और उनकी वास्तविक समस्याओं को समझें उन्होंने कहा कि केवल राहत सामग्री वितरित करना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि पीड़ितों की जरूरतों को प्रशासन तक पहुंचाकर उन्हें समय पर सहायता दिलाना भी जरूरी है।

अधिकारियों से राहत कार्य तेज करने का आग्रह: मिचकुरिन कोलान आदिवासी बस्ती के भ्रमण के दौरान चंद्रकमल त्रिपाठी ने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों से भी प्रभावित परिवारों की स्थिति को लेकर चर्चा की उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि बाढ़ और अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों तक

शासन की राहत योजनाओं तथा आवश्यक सामग्री का लाभ शीघ्र पहुंचाया जाए उन्होंने कहा कि जिन परिवारों को बाढ़ और बारिश के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाना चाहिए राहत एवं सहायता कार्यों में किसी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए ताकि संकट की स्थिति में प्रभावित परिवारों को आवश्यक सुविधाएं समय पर मिल सकें।

बच्चों के बीच बांटी चॉकलेट और बिस्कूट: बस्ती में भ्रमण के दौरान चंद्रकमल त्रिपाठी ने वहां मौजूद नन्हें-मुने बच्चों से भी आत्मीय मुलाकात की उन्होंने बच्चों के बीच चॉकलेट और बिस्कूट वितरित किए।

निखिल उर्मलिया बने कांग्रेस सेवादल यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष, युवाओं में उत्साह

ऑल इंडिया कांग्रेस सेवादल ने सौंपी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी, समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। ऑल इंडिया कांग्रेस सेवादल ने मध्यप्रदेश में संगठन की और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से सेवादल यूथ ब्रिगेड के नए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की है संगठन की ओर से जारी आधिकारिक घोषणा के तहत मैहर जिले से युवा कांग्रेस नेता एवं उद्यमी निखिल उर्मलिया को कांग्रेस सेवादल यूथ ब्रिगेड का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है नियुक्ति की खबर सामने आते ही मैहर जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं, युवाओं, समर्थकों एवं शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मुख्य संगठक निवास



बी.वी. द्वारा जारी नियुक्ति आदेश के बाद निखिल उर्मलिया को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने का रास्ता साफ हुआ पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है कि युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने की दिशा में यह नियुक्ति महत्वपूर्ण मानी जा रही है इससे जिले में कांग्रेस सेवादल की गतिविधियों को और

गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है नवनियुक्त जिलाध्यक्ष निखिल उर्मलिया युवा उद्यमी के रूप में अपनी पहचान रखते हैं वे मैहर के वरिष्ठ समाजसेवी रामनिवास उर्मलिया के सुपुत्र हैं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी, जनसेवा से जुड़े कार्यों तथा युवाओं के बीच उनकी सक्रियता को देखते हुए संगठन ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है निखिल उर्मलिया की नियुक्ति को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मानना है कि उनके नेतृत्व में सेवादल यूथ ब्रिगेड जिले में युवाओं को संगठन से जोड़ने के साथ ही सामाजिक एवं जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभा सकेगी युवाओं के

बीच संगठन का विस्तार करने और कांग्रेस सेवादल की गतिविधियों को गांव-गांव तक पहुंचाने की चुनौती भी उनके सामने रहेगी। नियुक्ति के बाद समर्थकों ने उम्मीद जताई कि निखिल उर्मलिया युवाओं को संगठन की विचारधारा और नहिहत के मुद्दों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे उनकी ताजपोशी से मैहर जिले में कांग्रेस सेवादल यूथ ब्रिगेड को नई ऊर्जा और मजबूती मिलने की संभावना जताई जा रही है निखिल उर्मलिया को जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, युवाओं और शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त किया।

कृष्ण जन्माष्टमी शोभायात्रा का हार्डवेयर पेंट्स एसोसिएशन करेगा भव्य स्वागत, अस्पताल चौक पर होगी पुष्पवर्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विंध्य क्षेत्र की अग्रणी व्यापारिक संस्था हाड्वेयर पेंट्स एसोसिएशन द्वारा विंध्य हिंदू परिषद के तत्वावधान में आयोजित कृष्ण जन्माष्टमी की भव्य शोभायात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया जाएगा शोभायात्रा के अस्पताल चौक स्थित माता मंदिर के समीप एसोसिएशन के अध्यक्ष घनश्यामदास अच्छड़ा के प्रतिष्ठान के सामने स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा एसोसिएशन के महामंत्री विनोद गेलानी ने जानकारी देते हुए बताया कि शोभायात्रा के आगमन पर श्रद्धालुओं एवं श्रद्धालुजनों का पुष्पवर्षा के साथ भव्य स्वागत किया जाएगा इस दौरान प्रसाद का वितरण भी किया जाएगा उन्होंने कहा कि कृष्ण जन्माष्टमी भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है शोभायात्रा के स्वागत के लिए संस्था के पदाधिकारियों और सदस्यों द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं उन्होंने बताया कि शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का स्वागत पूरे उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ किया जाएगा संस्था की ओर से अधिक से अधिक सदस्यों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर शोभायात्रा के स्वागत में सहभागिता करने की अपील की गई है संस्था के संरक्षक रूपचंद सचदेव, अध्यक्ष घनश्यामदास अच्छड़ा, सुरेश बर्द्धिया, राकेश गुप्ता, विनोद गेलानी, सनी सीरवानी, राजेश दासवानी, संतोष अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल,बलराम अच्छड़ा, रामचंद्र अच्छड़ा, हेमंत राजवानी, दीपेश केसवानी, नीरज अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, राज गुप्ता, दिनेश गुप्ता, राजा माधवानी, अजय जायसवाल, तवनीत सिंह सहित संस्था के सदस्यों ने शोभायात्रा में शामिल होकर स्वागत कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

मैहर मल्हार संगीत संध्या में गूंजी शास्त्रीय सुरलहरियां, कथक और तबला तिगलबंदी ने बांधा समां



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर घराने की समृद्ध एवं गौरवशाली संगीत परंपरा को समर्पित मैहर मल्हार संगीत संध्या के अंगरंग बुधवार शाम संगीत महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में मासिक संगीत सभा का आयोजन किया गया संगीत और नृत्य से सजी इस संध्या में कलाकारों ने शास्त्रीय गायन, कथक नृत्य तथा तबला तिगलबंदी की मनमोहक

प्रस्तुतियां देकर उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया मासिक संगीत सभा का शुभारंभ कलेक्टर मती बिदिशा मुखर्जी ने दीप प्रज्वलित कर किया कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह, सत्यभान पटेल सहित जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी, संगीत महाविद्यालय से जुड़े लोग तथा बड़ी संख्या में संगीतप्रेमी और दर्शक उपस्थित रहे कार्यक्रम के



दौरान ऑडिटोरियम में भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों का दर्शकों ने आनंद लिया। कार्यक्रम की पहली प्रस्तुति सु सुहानी त्रिपाठी एवं सु मोहिनी बर्मन ने कथक नृत्य युगल के रूप में दी दोनों कलाकारों ने भाव, लय और

ताल के सुंदर समन्वय के साथ कथक की प्रस्तुति दी उनके भुवपूर्ण नृत्य और आकर्षक मुद्राओं ने दर्शकों की खूब सराहना बटोरी प्रस्तुति के दौरान कलाकारों ने कथक की पारंपरिक शैली और उसकी बारीकियों को प्रभावी ढंग से

प्रस्तुत किया इसके बाद सु शिवांगी मिश्रा ने शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति दी उनकी सुमधुर आवाज और शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति से पूरा ऑडिटोरियम सुरलहरियों से गुंजायमान हो उठा दर्शकों ने शांत भाव से उनकी प्रस्तुति का आनंद लिया और तालियों से कलाकार का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम की तीसरी प्रस्तुति श्रद्धभ्रम त्रिपाठी, आशुतोष सिंह एवं शिवेश पाण्डेय द्वारा तबला तिगलबंदी के रूप में दी गई तीनों कलाकारों ने ताल और लय का शानदार समन्वय प्रस्तुत करते हुए अपनी कला का प्रदर्शन किया तबले की विभिन्न तालों और बोलों की प्रस्तुति के साथ कलाकारों की जुगलबंदी ने दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित किया प्रस्तुति के दौरान कलाकारों के बीच तालमेल और

लय की विविधता देखने को मिली। मैहर मल्हार संगीत संध्या के माध्यम से मैहर घराने की गौरवशाली संगीत परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। मासिक संगीत सभा कलाकारों को मंच उपलब्ध कराने के साथ-साथ स्थानीय लोगों और नई पीढ़ी को भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य से जोड़ने का माध्यम भी बन रही है आयोजकों का उद्देश्य मैहर की विशिष्ट संगीत विरासत को संरक्षित करते हुए इसे व्यापक स्तर पर पहचान दिलाना और युवा पीढ़ी में भारतीय शास्त्रीय कला के प्रति रुचि विकसित करना है नियमित रूप से आयोजित होने वाली यह संगीत सभा मैहर की सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखी जा रही है।

जन्माष्टमी शोभायात्रा में निकलेगी रक्तदान जागरूकता की विशेष झांकी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय शिशु विकास समिति की ओर से कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित शोभायात्रा में रक्तदान जागरूकता पर आधारित विशेष झांकी निकाली जाएगी विश्व हिंदू परिषद द्वारा आयोजित इस शोभायात्रा में शामिल होने वाली झांकी के माध्यम से लोगों को रक्तदान के महत्व और मानव सेवा के प्रति जागरूक किया जाएगा संस्था अध्यक्ष विनोद गेलानी ने बताया कि झांकी का मुख्य उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित करना है झांकी के माध्यम से यह संदेश दिया जाएगा कि रक्तदान जीवनदान के समान है और समय

पर उपलब्ध रक्त जरूरतमंदों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है संस्था के महामंत्री घनश्याम मंघरानी ने बताया कि रक्तदान जागरूकता की यह झांकी शोभायात्रा का प्रमुख आकर्षण बने के साथ ही समाज में सेवा, समर्पण और मानवता का संदेश पहुंचाएगी उन्होंने कहा कि रक्तदान को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाना सामाजिक जिम्मेदारी है और इसमें अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी जरूरी है। संस्था की ओर से सभी सदस्यों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और समाजसेवियों से शोभायात्रा में शामिल होकर रक्तदान जागरूकता अभियान को सफल बनाने की अपील की गई है इस अवसर पर संस्था के संरक्षक एवं सदस्यों सहित बड़ी संख्या में समाजसेवियों की सहभागिता रहेगी।